E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-187 | जम्मू तवी, बुधवार 30 जुलाई, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

पहलगाम हमले के षड्यंत्रकारियों को ऑपरेशन सिंदूर का डर : लोकसभा में बोले मोदी

नई दिल्ली, 29 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने पहलगाम हमले के पीछे छिपे लोगों को ऐसा सबक सिखाया कि आतंकवाद के आकाओं की नींद अब भी उड़ी हुई है।

लोकसभा में पहलगाम और ऑपरेशन सिंदूर पर दो दिवसीय बहस का जवाब देते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि इस हमले का उद्देश्य भारत में दंगे भड़काना था और देश की एकता ने इस कोशिश को नाकाम कर दिया।

मैं यहाँ भारत का पक्ष रखने और उन लोगों को आईना दिखाने के लिए खड़ा हूँ जो इसे नहीं समझते। मैंने कहा था कि हम आतंकवादियों और उनके आकाओं को ऐसा करारा सबक सिखाएँगे जो उनकी कल्पना से भी परे होगा। हमें अपने सशस्त्र बलों की क्षमताओं पर पूरा भरोसा है और उन्हें जवाब देने की पूरी छूट दी गई थी।

> **" किसी भी देश ने भारत से ऑपरेशन सिंदूर रोकने को नहीं कहा**

उन्होंने कहा, सशस्त्र बलों ने उन्हें ऐसा सबक सिखाया कि आतंकवाद के आकाओं की नींद आज भी उड़ी हुई है।

मोदी ने कहा कि पाकिस्तान को भारतीय कार्रवाई की भनक लग गई थी और उसने परमाणु हमले की धमकियाँ देनी शुरू कर दी थीं, लेकिन जब आतंकी ठिकानों पर हमला हुआ तो वह कुछ नहीं कर सका।

यह (पहलगाम हमला) भारत में दंगे भड़काने की एक साजिश थी और देश की एकता ने उस कोशिश को नाकाम कर दिया। उन्होंने कहा, जब मैं इस संसद सत्र को विजयोत्सव कहता हूँ, तो इसका मतलब आतंक के मुख्यालयों को नष्ट करना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में कहा कि किसी भी देश के नेता ने भारत से ऑपरेशन सिंदूर रोकने के लिए नहीं कहा, लेकिन उन्होंने इस बात पर भी खेद व्यक्त किया कि जहाँ देश को पूरी दुनिया का समर्थन मिला, वहीं कांग्रेस और उसके सहयोगी देश के सैनिकों के पराक्रम के सामने खड़े नहीं हो सके। पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर निचले सदन में दो दिवसीय बहस का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया के किसी भी देश ने भारत को आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने से नहीं रोका। प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी विपक्ष द्वारा बार-बार पूछे जा रहे सवालों के बीच आई है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम की घोषणा क्यों की।

मोदी ने सदन को बताया कि 9 मई की रात, अमेरिकी उपराष्ट्रपति (जेडी वेंस) ने मुझसे 3-4 बार संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन मैं सशस्त्र बलों के साथ बैठकों में व्यस्त था।

फोरेंसिक बैलिस्टिक और गवाहों ने पहलगाम हमलावरों की पहचान में मदद की : शाह

नई दिल्ली, 29 जुलाई। गवाहों की पहचान, श्रीनगर के दाचीगाम में मारे गए तीन आतंकवादियों से बरामद हथियारों की फोरेंसिक बैलिस्टिक जाँच के लिए आधी रात की उड़ान, और वैज्ञानिकों द्वारा सुबह-सुबह पुष्टि कि तीनों ने पहलगाम हमला किया था - यह सब 24 घंटे से भी कम समय में हुआ।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को लोकसभा में सुरक्षा बलों द्वारा चलाए गए ऑपरेशन महादेव का विस्तृत ब्यौरा दिया, जो सोमवार को तीनों आतंकवादियों के मारे जाने के साथ समाप्त हुआ।

शाह ने सदन को बताया कि भारतीय एजेंसियों के पास यह साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं कि ये प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े पाकिस्तानी आतंकवादी बताया कि %ऑपरेशन महादेव% 22 मई को एक सुरक्षा योजना के तहत शुरू हुआ था, जो

22 अप्रैल को पहलगाम की खूबसूरत बैसरन घाटी में हुए हमले में आतंकवादियों द्वारा 26 नागरिकों की हत्या के एक दिन बाद तैयार की गई थी।

23 अप्रैल को हुई सुरक्षा समीक्षा बैठक में पहला निर्णय यह सुनिश्चित करना था कि क्रूर हत्यारों को पाकिस्तान भागने की अनुमति न दी जाए।

शाह ने कहा कि यह सब तब शुरू हुआ जब 22 मई को इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) को दाचीगाम के जंगल में कुछ आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक मानवीय

☐ हुर्रियत आतंकवादियों का एक संगठन है, उनसे बात नहीं करेंगे

खुफिया जानकारी मिली और एजेंसी ने सेना के साथ मिलकर उनके संकेतों को पकड़ने और उक्त जानकारी की पुष्टि करने के लिए स्वदेशी उपकरण तैनात किए।

उन्होंने बताया कि 22 जुलाई को दाचीगाम में पाँच मानव संसाधन भेजे जाने और सेना की विशिष्ट 4 पैरा कमांडो इकाई द्वारा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ मिलकर उन्हें घेरने के बाद सेंसर ने आतंकवादियों की मौजूदगी का पता लगाया।

सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने तीनों आतंकवादियों को मार गिराया। मंत्री ने कहा कि जब उनके शव श्रीनगर लाए गए, तो चार लोगों ने उनकी पहचान की।

शाह ने कहा, हम अभी भी संतुष्ट नहीं थे (कि क्या ये वही आतंकवादी थे जिन्होंने पहलगाम हमला किया था)... और बताया कि सोमवार आधी रात के आसपास एक विशेष विमान श्रीनगर से उड़ान भरकर आतंकवादियों से ज़ब्त की गई तीन राइफलों के साथ चंडीगढ़ उतरा।

उन्होंने बताया कि चंडीगढ़ स्थित केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (स्नस्रु) ने पहलगाम हमले स्थल से बरामद गोलियों के खोलों का विश्लेषण पहले ही कर लिया था और वहाँ के विशेषज्ञों ने श्रीनगर से मँगवाई गई तीन राइफलों से पूरी रात और गोलियां चलाईं ताकि और गोले बनाए जा सकें।

खबर संक्षेप

राजबाग इलाके में संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने के बाद चलाया तलाशी अभियान

जम्मू, 29 जुलाई । जम्मू संभाग के कठुआ ज़िले के राजबाग इलाके में मंगलवार को तीन लोगों की संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान चलाया है। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार देर रात राजबाग इलाके में एक महिला द्वारा तीन संदिग्ध व्यक्तियों को देखे जाने के बाद तलाशी अभियान शुरू किया गया जोकि मंगलवार को अतिरिक्त सुरक्षाबलों के साथ और तेज कर दिया गया ।

अधिकारियों ने बताया कि भारतीय सेना, पुलिस और विशेष अभियान समूह (एसओजी) की एक संयुक्त टीम तलाशी अभियान में लगी हुई है और इलाके और राजमार्ग पर सतर्कता बढ़ा दी गई है। उन्होंने आगे कहा कि वे उझ नदी के आसपास के इलाके की तलाशी ले रहे हैं जो सीमा पार से घुसपैठ का एक ज्ञात मार्ग है।

अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय लोगों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना पुलिस को देने का आग्रह किया गया है।

104 बोतल अवैध शराब के साथ तस्कर को गिरफ्तार

कठुआ/बिलावर 29 जुलाई । अवैध शराब के व्यापार और परिवहन को रोकने के अपने प्रयासों को जारी रखते हुए एसएसपी कठुआ के नेतृत्व में बिलावर पुलिस ने मंगलवार को 104 बोतल अवैध शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है और इसमें शामिल एक महिंद्रा लोड कैरियर को भी सीज किया है। जानकारी के अनुसार एसएचओ बिलावर इंस्पेक्टर जहीर मुश्ताक के नेतृत्व में थाना बिलावर के एक पुलिस दल ने बिलावर के कोहग में वाहनों की तलाशी के लिए एक नाका स्थापित किया।

आतंकवाद पर उपराज्यपाल के मंत्र का पालन कर रही पुलिस : डीजीपी

> "आतंकवादियों का एक-एक करके सफाया किया जा रहा है

जम्मू तवी,29 जुलाई। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नलिन प्रभात ने मंगलवार को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा निर्धारित निर्दोष को न छुओ और दोषियों को न बख्शो के मूल सिद्धांत द्वारा निर्देशित न्याय के प्रति अपने पुलिस बल की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

प्रभात ने कहा कि सरकार द्वारा बनाए गए नए कानून धीरे-धीरे जमीनी स्तर पर लागू हो रहे हैं और पीड़ित-केंद्रित दृष्टिकोण पर आधारित हैं।

उन्होंने यहाँ एक समारोह को संबोधित करते हुए कहा, उपराज्यपाल का एक मंत्र (मार्गदर्शक सिद्धांत) है, निर्दोष को न छुओ और दोषियों को न बख्शो । यही जम्मू-कश्मीर पुलिस का कर्तव्य है। यही हमारा दृष्टिकोण है और यही हमारा निरंतर प्रयास है।

डीजीपी ने मुश्किल में फंसे लोगों तक पहुँचने के प्रयासों में पुलिस की भूमिका पर प्रकाश डाला।उन्होंने कहा, हम उन लोगों तक पहुँचने की पूरी कोशिश करते हैं जो उत्पीड़ित, व्यथित या पीड़ा में हैं। हम हर संभव तरीके से उनकी मदद करने की कोशिश करते हैं और जिनके पास कोई सहारा नहीं है, उनकी सभी समस्याओं के समाधान में हम उनके साथ खड़े हैं।

एक जनसम्पर्क कार्यक्रम में बोलते हुए, प्रभात ने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह मंत्र केंद्र शासित प्रदेश में पुलिस बल के चरित्र और कार्यप्रणाली को परिभाषित करता है। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य उत्पीड़ितों के साथ खड़ा होना और उनकी समस्याओं का समाधान करने में मदद करना है। पुलिस की बहुआयामी माँगों पर प्रकाश डालते हुए, डीजीपी ने पुलिस बल के कर्तव्यों की तुलना विभिन्न विषयों में उत्कृष्टता प्राप्त करने से की। उन्होंने कहा, मैं अक्सर अपनी टीम को ऊँचे लक्ष्य रखने के लिए कहता हूँ - जैसे भौतिकी में नोबेल पुरस्कार जीतना, गणित में स्वर्ण पदक जीतना या किसी शीर्ष विश्वविद्यालय से पीएचडी हासिल करना। हमें हर भूमिका निभाने और वास्तविक बदलाव का माध्यम बनने के लिए तैयार रहना चाहिए।

उत्तरी कमान के जीओसी-इन-सी ने उपराज्यपाल को ऑपरेशन महादेव के बारे में दी जानकारी

श्रीनगर, 29 जुलाई। उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (जीओसी-इन-सी) लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने आज उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की और उन्हें ऑपरेशन महादेव के बारे में जानकारी दी। उनके साथ 15वीं कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल प्रशांत श्रीवास्तव भी थे।

उपराज्यपाल ने ऑपरेशन महादेव की सफलता के लिए सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस को बधाई दी। चुनौतीपूर्ण दाचीगाम जंगल में अंजाम दिए गए इस महत्वपूर्ण ऑपरेशन के परिणामस्वरूप जघन्य पहलगाम आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार तीन पाकिस्तानी आतंकवादियों का सफाया हो गया।

उत्तरी कमान के जीओसी-इन-सी ने बताया कि पिछले कुछ महीनों से दक्षिण कश्मीर से दाचीगाम के वन क्षेत्रों में तलाशी अभियान जारी था। इस क्षेत्र में आतंकवादियों के छिपे होने की लगातार खबरें मिल रही थीं। हाल ही में विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के आधार पर विशेष टीमों को सक्रिय किया गया। इसके बाद सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने खुफिया एजेंसियों की महत्वपूर्ण सहायता से एक संयुक्त अभियान शुरू किया जिसके परिणामस्वरूप पाकिस्तानी आतंकवादियों का सफाया हो गया।

अगर पाकिस्तान आतंकवाद पर कार्रवाई नहीं कर सकता, तो भारत करेगा: राजनाथ

नई दिल्ली,29 जुलाई । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि अगर पाकिस्तान अपनी धरती पर आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर सकता, तो भारत पड़ोसी देश की मदद के लिए तैयार है क्योंकि भारतीय सेना सीमा पार भी आतंकवाद से लड़ने में सक्षम है। राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा की शुरुआत करते हुए, सिंह ने कहा कि पहलगाम हमले में शामिल तीन आतंकवादियों को भारतीय सेना ने मार गिराया है। उन्होंने आगे कहा कि पहलगाम हमले पर भारत की प्रतिक्रिया - ऑपरेशन सिंदूर - रोक दिया गया है और अगर पाकिस्तान फिर से भारत में आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होता है, तो इसे कभी भी फिर से शुरू किया जा सकता है। उन्होंने कहा, फ्भारत चाहता है कि पाकिस्तान समेत पूरी दुनिया से आतंकवाद खत्म हो... मैंने पहले भी पाकिस्तान को सलाह दी थी

और आज मैं फिर से कहना चाहता हूँ कि अगर आप पाकिस्तान में आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पा रहे हैं, तो भारत की मदद लें। भारत की सेनाएँ सीमा के इस पार और उस पार भी आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने में सक्षम हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान पहले ही इसका गवाह बन चुका है। उन्होंने कहा, अगर पाकिस्तान भविष्य में कोई आतंकी घटना करता है, तो हम बिना किसी हिचकिचाहट के ऑपरेशन सिंदूर फिर से शुरू करेंगे।

आतंकवाद कभी कामयाब नहीं होगा: फारूक

श्रीनगर,29 जुलाई । नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के दोषियों का खात्मा एक सबक है कि आतंकवाद कामयाब नहीं होगा।

अब्दुल्ला यहां एक समारोह से इतर पत्रकारों से बात कर रहे थे। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, मैंने उन्हें नहीं देखा है और न ही मैं जानता हूँ कि वे कौन हैं। उन्हें केवल वही लोग पहचान सकते हैं जिन्होंने उन्हें देखा है। अगर वे मारे गए हैं, तो यह अच्छी बात है। उन्हें सबक मिल गया है कि आतंकवाद कभी कामयाब नहीं होगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को लोकसभा में घोषणा की कि पहलगाम नरसंहार को अंजाम देने वाले तीन आतंकवादियों को श्रीनगर के पास सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के संयुक्त अभियान में सुरक्षा बलों ने मार गिराया है। ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा में भाग लेते हुए, शाह ने कहा कि सोमवार को ऑपरेशन महादेव के तहत आतंकवादी मारे गए। उनकी पहचान सुलेमान उर्फ फैजल, अफगानी और जिबरान के रूप में हुई है।

उन्होंने कहा, सुलेमान लश्कर-ए-तैयबा का ए-श्रेणी का कमांडर था, अफगानी भी लश्कर-ए-तैयबा का ए-श्रेणी का आतंकवादी था और जिब्रान भी एक कुख्यात और वांछित आतंकवादी था। पहलगाम की बैसरन घाटी में हमारे नागरिकों की हत्या में शामिल सभी तीन आतंकवादियों का अब सफाया कर दिया गया है।

राहुल गांधी पाक गोलाबारी में अपने माता-पिता को खोने वाले 22 बच्चों की शिक्षा का खर्च उठाएंगे

राजौर, 29 जुलाई । कांग्रेस के एक नेता ने बताया कि वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी उन 22 बच्चों की शिक्षा का खर्च उठाएंगे जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर पाकिस्तानी गोलाबारी में अपने एक या दोनों माता-पिता को खो दिया है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने भी चुनाव पूर्व गठबंधन सहयोगी नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के साथ किसी भी मतभेद से इनकार किया, लेकिन कहा कि उनकी पार्टी पिछले नौ महीनों से सत्तारूढ़ दल के साथ समन्वय समिति के गठन का इंतजार कर रही है।

क्षेत्र के तीन दिवसीय दौरे पर राजौरी पहुँचे कर्रा ने सोमवार देर रात संवाददाताओं से कहा कि पुंछ और राजौरी में (7 से 10 मई के बीच) पाकिस्तानी गोलाबारी में कई नागरिक हताहत हुए और संपत्तियों को नुकसान पहुँचा। विनाशकारी गोलाबारी के बाद राहुल गांधी ने पुंछ का दौरा किया और शोक संतप्त परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने हमें स्कूल जाने वाले उन बच्चों की सूची तैयार करने को कहा, जिन्होंने अपने माता-पिता में से एक या दोनों को खो दिया है, तदनुसार हमने उन्हें सूची सौंप दी।उन्होंने कहा कि पार्टी के पास अकेले पुंछ जिले में ऐसे 22 बच्चों की सूची है और तीन दिवसीय दौरे के अंत में ऐसे और बच्चों को शामिल किया जा सकता है।

भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा जम्मू-कश्मीर में आतंकी ढाँचों पर मिसाइल हमले किए जाने के बाद, जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तानी गोलाबारी और ड्रोन हमलों में 28 लोगों की मौत के अलावा अकेले पुंछ जिले में 13 नागरिकों की मौत हुई है।

1,490 तीर्थयात्रियों का 27वाँ जम्मू से घाटी के लिए रवाना

जम्मू, 29 जुलाई । अमरनाथ यात्रा के लिए तीर्थयात्रियों का 27वाँ जत्था आज सुबह कड़ी सुरक्षा के बीच जम्मू से कश्मीर घाटी के लिए रवाना हुआ। भगवती नगर यात्री निवास आधार शिविर से 61 वाहनों के काफिले में कुल 1,490 तीर्थयात्री रवाना हुए।

इस जत्थे में 1,262 पुरुष, 186 महिलाएँ और 42 साधु-साध्वियाँ शामिल हैं। कुल 327 तीर्थयात्री बालटाल आधार शिविर के लिए रवाना हुए जबकि 1,163 तीर्थयात्री पहलगाम आधार शिविर के लिए रवाना हुए। इन शिविरों से तीर्थयात्री पवित्र अमरनाथ गुफा की अपनी यात्रा जारी रखेंगे। सुचारू और सुरक्षित यात्रा के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

एनआईए ने श्रीनगर मुठभेड़ में पहलगाम हमले के मास्टरमाइंड के मारे जाने की जांच शुरू की

श्रीनगर, 29 जुलाई। पहलगाम आतंकी हमले के कथित मास्टरमाइंड समेत दो आतंकवादियों के श्रीनगर के पास सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मारे जाने की जांच एनआईए की एक टीम ने मंगलवार को शुरू की है। एनआईए की टीम मंगलवार तड़के तीनों आतंकवादियों के शवों की पहचान करने के लिए पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) पहुंची। अधिकारियों ने बताया कि पहलगाम हमले के दौरान इस्तेमाल किए गए सैटेलाइट फोन के दोबारा एक्टिव होने की जानकारी मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने ऑपरेशन %महादेव% शुरू किया था। सेना के विशिष्ट पैरा कमांडो ने सोमवार को पहलगाम हमले के कथित मास्टरमाइंड सुलेमान उर्फ आसिफ को उसके दो साथियों के साथ दाचीगाम राष्ट्रीय उद्यान के पास हरवान इलाके के मुलनार में एक मुठभेड़ में मार गिराया था। कार्रवाई में मारे गए अन्य दो आतंकवादियों की पहचान जिब्रान और हमजा अफगानी के रूप में हुई। जिब्रान कथित तौर पर पिछले साल अक्टूबर में गगनगीर में सोनमर्ग सुरंग परियोजना पर हुए आतंकी हमले में शामिल था। इस हमले में एक डॉक्टर समेत सात लोग मारे गए थे अधिकारियों के अनुसार मारे गए आतंकवादियों के शव सोमवार देर रात मुठभेड़ स्थल से पीसीआर में लाए गए। एनआईए की टीम दो-तीन लोगों के समूहों में गवाहों से पूछताछ कर रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मारे गए आतंकवादियों में सुलेमान शाह भी शामिल है। सोमवार को मुठभेड़ स्थल से एक एम4 कार्बाइन राइफल, दो एके राइफल और अन्य हथियार जब्त किए गए थे। खुफिया जानकारी मिलने के बाद से इलाके में आतंकवादियों के एक और समूह की मौजूदगी का पता चलने पर ऑपरेशन जारी है।

29 से 31 जुलाई तक जम्मू-कश्मीर के विभिन्न क्षेत्रों में तेज बारिश की संभावना

श्रीनगर, 29 जुलाई । मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर के अनुसार 29 से 31 जुलाई तक जम्मू-कश्मीर के विभिन्न क्षेत्रों विशेष रूप से जम्मू संभाग में तीव्र वर्षा और तेज़ हवाओं का अनुमान लगाया गया है। इस परामर्श में अचानक बाढ़, भूस्खलन और नदियों व नालों में जल स्तर बढ़ने की चेतावनी शामिल है। मौसम विभाग के अनुसार अगले तीन दिनों तक पूरे केंद्र शासित प्रदेश में आमतौर पर बादल छाए रहने की संभावना है और कई जगहों पर रुक-रुक कर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। कुछ इलाकों में खासकर देर रात और सुबह के समय तेज़ बारिश और तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है।

29-30 जुलाई तक कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश, गरज-चमक के साथ तेज़ हवाएँ, खास कर देर रात व सुबह के समय जम्मू और कश्मीर डिवीजन के कुछ स्थानों पर तेज़ बारिश हो सकती है। 31 जुलाई से दो अगस्त तक हल्की बारिश के साथ गर्म और उमस भरा मौसम रहेगा। इसी दौरान 3-5 अगस्त को हल्की बारिश हो सकती है। इस दौरान जम्मू, रियासी, उधमपुर, कठुआ, राजौरी और सांबा जिलों में छिटपुट स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है जिससे निचले इलाकों में जलभराव और संवेदनशील क्षेत्रों में व्यवधान की चिंता बढ़ गई है। विभाग ने एक सलाह जारी कर कहा है कि पहाड़ी इलाकों में अचानक बाढ़, भूस्खलन और पत्थर गिरने की संभावना है और निवासियों और यात्रियों से सतर्क रहने का आग्रह किया गया है। अधिकारियों को नदी जलग्रहण क्षेत्रों की निगरानी करने और बाढ़ संभावित क्षेत्रों में एहतियाती कदम उठाने के लिए कहा गया है। 1 से 3 अगस्त तक मौसम सामान्य रूप से गर्म और आर्द्र रहने की उम्मीद है, कुछ स्थानों पर हल्की बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। 4 से 6 अगस्त के बीच हल्की से मध्यम बारिश का एक और दौर होने का अनुमान है।

स्वतंत्रता दिवस-2025 की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित, आवश्यक दिशा-निर्देश जारी

कठुआ/बसोहली 29 जुलाई ।आगामी स्वतंत्रता दिवस-2025 की तैयारियों को लेकर एडीसी बसोहली पंकज भगोत्रा की अध्यक्षता में एडीसी कार्यालय में एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें विभिन्न विभागों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए इस बैठक में एडीसी ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह का मुख्य कार्यक्रम मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल बसोहली के प्रांगण में तथा बारिश होने की स्थिति में मल्टीपर्पज हॉल जवाहर नवोदय विद्यालय में आयोजित किया जाएगा। अधिकारी ने एई बिजली विभाग को 14 व 15 अगस्त को बिना किसी रुकावट के बिजली उपलब्ध करवाने तथा एईई जल शक्ति विभाग को कार्यक्रम स्थल पर पेयजल की व्यवस्था करने के निर्देश जारी किए। इसी प्रकार कार्यक्रम स्थल की सफाई की जिम्मेदारी ईओ म्यूनिसिपल कमेटी को सौंपी गई तथा बीएमओ को निर्देश दिए कि समारोह वाले दिन कार्यक्रम स्थल पर एम्बुलेंस, प्राथमिक उपचार किट तथा डॉक्टरों की टीम दवाइयों सहित तैनात रहेगी।

साभार : अशोक कुमार मुनडेतिया

अगर हम यह कहें कि बनारस इतिहास, सभ्यता, मिथक और दंतकथाओं से भी पुराना है, तो यह गलत न होगा। वाराणसी को यह नाम यहां पर स्थित दो नदियों के कारण दिया गया, वरुण और असि।

इतिहास से भी पुराना

बनारस

यह कहना शायद मिथ्या होगी कि विश्व में ऐसा कोई हिन्दू है, जो कि उत्तरप्रदेश में गंगा नदी के पावन तट पर बसे काशी विश्वनाथ की नगरी वाराणसी के बारे में नहीं जानता। वाराणसी के साथ ही साथ इसे बनारस और काशी के नाम से भी जाना जाता है, जो कि विश्व के प्राचीनतम नगरों में से एक है। अगर हम यह कहें कि बनारस इतिहास, सभ्यता, मिथक और दंतकथाओं से भी पुराना है, तो यह गलत न होगा। वाराणसी को यह नाम यहां पर स्थित दो नदियों के कारण दिया गया, वरुण और असि। यह दोनों नदियां काशी में गंगा में समाहित हो जाती है, जिस कारण से इसका नाम वाराणसी पड़ा। पुराणों के अनुसार काशी का निर्माण स्वयं भगवान शिव और देवी पार्वती के द्वारा किया गया था और इसीलिये इसे तीर्थों का तीर्थ समझा जाता है।

कहां ठहरें

होटल ताज गंगेज़, होटल सिद्धार्थ, होटल गौतम बुद्ध, होटल इंडिया, प्रीति गेस्ट हाउस, अम्बिका लॉज, होटल मोती महल

कब जाएं

वैसे तो वाराणसी का मौसम हर समय सुहाना रहता है, लेकिन अगर आप वाराणसी जाना चाहते हैं, तो सबसे अच्छा समय सितंबर से मार्च को होगा, जब आप बारिश या गर्मी की समस्या के बिना आराम से पूरा नगर घूम सकते हैं।

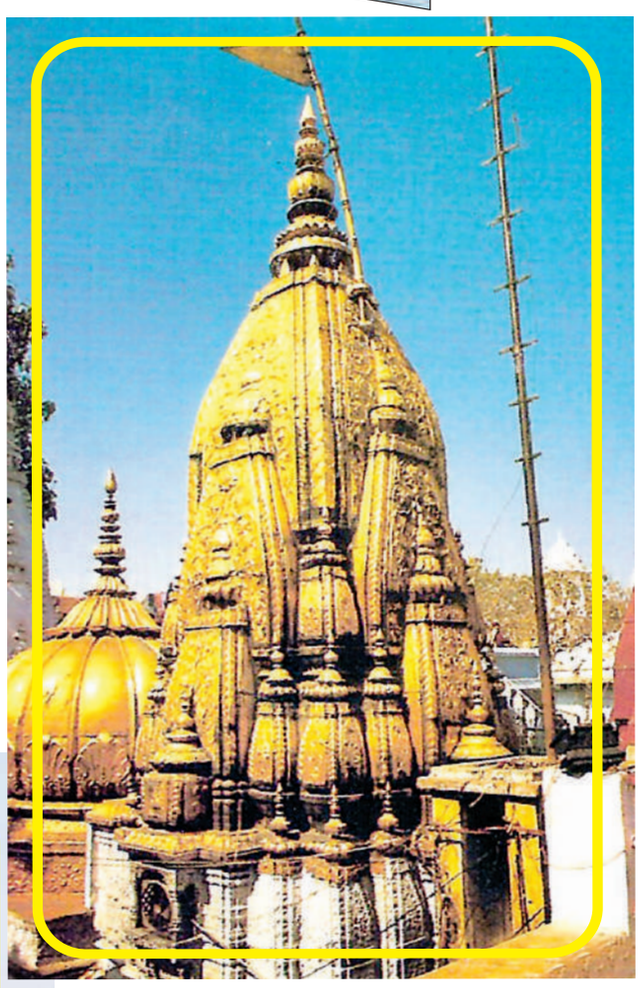

कैसे पहुंचें

रेल द्वारा: वाराणसी भारतीय रेलवे का एक मुख्य स्टेशन है। भारत के कई प्रमुख नगरों से वाराणसी के लिये सीधी ट्रेनें उपलब्ध रहती है। इसके अतिरिक्त वाराणसी से मात्र 16 किमी की दूरी पर स्थित मुगलसराय एक अन्य निकटतम प्रमुख स्टेशन है, जो कि भारत का सबसे बड़ा रेलवे यार्ड है।

सड़क द्वारा: वाराणसी एनएच 2, एनएच 7 और एनएच 29 के द्वारा भारत के सभी प्रमुख नगरों से जुड़ा हुआ है। उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्यप्रदेष के सभी निकटतम प्रमुख नगरों से बस सेवा भी उपलब्ध रहती है। इसके अतिरिक्त आप निजी वाहन का प्रयोग भी कर सकते हैं।

वायुयान द्वारा: बाबतपुर एयरपोर्ट वाराणसी का प्रमुख एयरपोर्ट है, जो कि वाराणसी से 18 किमी की दूरी पर स्थित है।

क्यों देंखें

चौरासी घाट: पवित्र गंगा नदी के तट को कुल चौरासी घाटों में विभाजित किया गया है, जिनमें स्नान करके शुद्ध होने के बाद ही श्रद्धालु काशी विश्वनाथ के दर्शन को जाते हैं। वैसे तो लगभग सभी घाटों का कोई न कोई ऐतिहासिक महत्व है, लेकिन कुछ घाट ऐसे भी है, जो कि धार्मिक रूप से भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। जैसे, काशी विश्वनाथ मंदिर के सबसे निकट स्थित दशाश्वमेध घाट के लिये माना जाता है कि यहां पर भगवान ब्रह्मा ने दस अश्वों की बलि दी थी। मणिकर्णिका घाट के लिये यह माना जाता है कि शिव के नृत्य करते समय यहीं पर उनके कान की मणि गिरी थी। हरिश्चन्द्र घाट के लिये यह किवदंती है कि इस घाट पर स्थित श्मशान पर ही राजा हरिश्चन्द्र काम किया करते थे। काशी का सबसे पहला घाट अस्सि घाट है और सबसे आखिरी आदि केशव घाट जिसे वेदेश्वर घाट भी कहते हैं। गंगा दशहरा के दिन यहां एक शोभायात्रा का आयोजन किया जाता है, जो कि अस्सि घाट से वेदेश्वर घाट तक जाती है।

काशी विश्वनाथ: बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक काशी विश्वनाथ का मंदिर भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में स्थित भगवान शिव के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। इस मंदिर की प्राचीनता का अंदाजा लगाना तो आज भी संभव नहीं है क्योंकि इस मंदिर का वर्णन पुराणों में भी किया गया है। वैसे तो इस मंदिर को कई बार क्षतिग्रस्त किया गया और कई बार इसका पुनर्निर्माण भी करवाया गया, लेकिन वर्तमान मंदिर का निर्माण इंदौर की महारानी अहिल्याबाई होल्कर द्वारा सन् 1780 में करवाया गया था, जिसके बाद सन् 1835 में पंजाब के राजा महाराज रणजीत सिंह जी द्वारा इस मंदिर के गुंबदों पर करीब एक हजार किलोग्राम सोना लगवाया गया।

संकटमोचन मंदिर: काशी में असि नदी के किनारे रामभक्त हनुमान के सबसे पवित्र मंदिरों में से एक संकटमोचन मंदिर है। इस मंदिर का निर्माण गोस्वामी तुलसीदास के द्वारा करवाया गया था। हनुमान जी को संकटमोचन के नाम से भी जाना जाता है, जिसका अर्थ है सभी संकटों को हरने वाला। इस मंदिर को वानर मंदिर के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि यहां पर कई मंदिर है, जिन्हें प्रसाद दिए बिना आपका मंदिर से बाहर जा पाना मुश्किल है।

भारत माता मंदिर: वाराणसी का भारत मंदिर भारत माता को समर्पित किया गया एक मंदिर है। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के कैंपस में स्थित इस मंदिर का निर्माण बाबू शिव प्रसाद गुप्ता जी के द्वारा करवाया गया था, जिसका उद्घाटन सन् 1936 में महात्मा गांधी के हाथों से हुआ था। इस मंदिर में संगमरमर का बना भारत का एक नक्काशीदार मानचित्र है।

तुलसी मानस मंदिर: तुलसी मानस मंदिर का निर्माण वाराणसी के नागरिकों द्वारा किया गया था। यह मंदिर मूलरूप से भगवान राम और उनके जीवनचरित्र को समर्पित है। ऐसा कहा जाता है कि इस मंदिर का निर्माण उसी स्थान पर करवाया गया है, जहां पर गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस की रचना की थी। इस मंदिर में एक रामचरितमानस का वर्णन करती हुई एक विद्युत प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाता है।

बिड़ला मंदिर: बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के एक भाग के रूप में स्थित नए विश्वनाथ मंदिर को ही बिड़ला मंदिर कहते हैं। पंडित मदन मोहन मालवीय द्वारा योजनाबद्ध किये गये इस मंदिर का निर्माण भारत के अत्यंत प्रतिष्ठित औद्योगिक घराने बिड़ला परिवार द्वारा करवाया गया था। इस मंदिर के द्वार हर धर्म के लोगों के लिये खुले हैं।

कालभैरव मंदिर: कालभैरव मंदिर मुख्य पोस्ट ऑफिस विश्वेश्वरगंज के पास स्थित एक प्राचीन मंदिर है। ऐसा कहा जाता है कि कालभैरव काशी के रखवाले हैं और उनकी आज्ञा के बिना कोई भी बनारस में ठहर नहीं सकता है। इसीलिये उन्हें वाराणसी का कोतवाल भी कहते हैं।

सारनाथ: वाराणसी से करीब 15 कि.मी. की दूरी पर स्थित सारनाथ भगवान बुद्ध को समर्पित है। सारनाथ बौद्ध धर्म का धार्मिक केन्द्र और चार तीर्थों में से एक है। बोधगया में ज्ञान की प्राप्ति के बाद भगवान बुद्ध ने सारनाथ में ही अपने पांच शिष्यों को अपने पहले उपदेश दिये थे। सारनाथ में प्रवेश करते ही सबसे पहला महत्वपूर्ण स्थान चौखंडी स्तूप स्थित है, जिसका निर्माण सम्राट अशोक द्वारा करवाया गया था। धमेक स्तूप भी अत्यंत महत्वपूर्ण स्तूप है और इसी के पास स्थित मूलगंध कुटि विहार भी स्थित है, जो कि एक बौद्ध मंदिर है। इसके अतिरिक्त सारनाथ में अन्य कई बौद्ध मंदिर भी है, जैसे कि चीनी मंदिर, तिब्बती मंदिर, जापानी मंदिर आदि। सारनाथ संग्रहालय भी सारनाथ के प्राचीन इतिहास का एक झरोखा देखने के लिये एक अच्छा स्थान है।

रामनगर: वाराणसी से मात्र 14 किमी की दूरी पर रामनगर स्थित है, जो कि रामनगर किले के लिये प्रसिद्ध है। गंगा नदी के किनारे इस किले का निर्माण सन् 1750 में वाराणसी के राजा के द्वारा करवाया गया था, लेकिन यह आज अपने संग्रहालय के लिये प्रसिद्ध है, जिसमें विंटेज कार, शाही पालकी, तलवारें, बंदूकें आदि सम्मिलित हैं। इसके अतिरिक्त भी वाराणसी में कई अन्य महत्वपूर्ण स्थान है, जैसे कि अन्नपूर्णा मंदिर, भारत कला भवन, काशी विद्यापीठ, दुर्गा मंदिर, जैन मंदिर आदि।

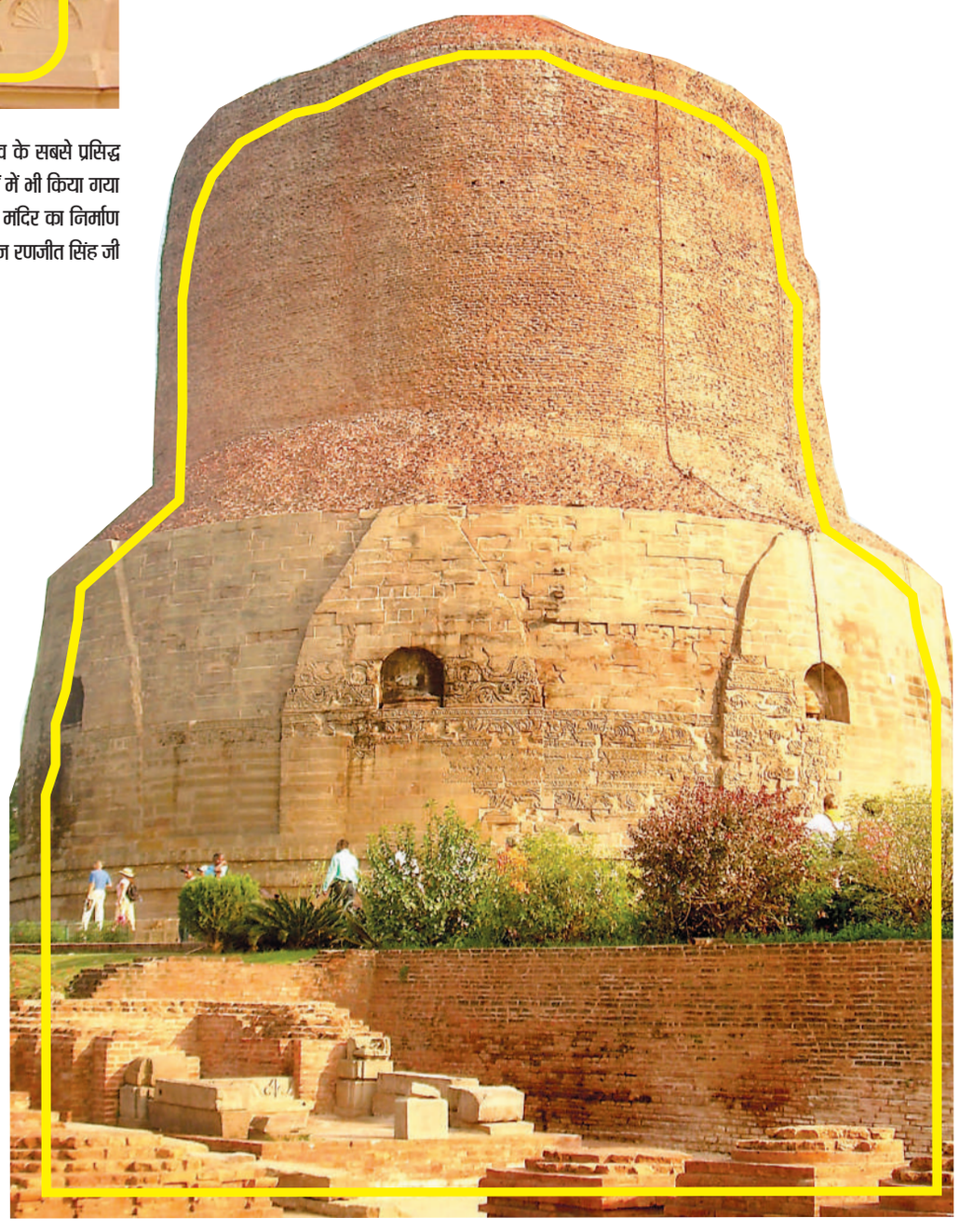

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

प्रधानमंत्री ने रखी पावर ग्रिड की ट्रांसमिशन प्रणाली की आधारशिला

तमिलनाडु, 29 जुलाई। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 27 जुलाई, 2025 को तमिलनाडु के तूतीकोरिन में आयोजित एक समारोह में कुडनकुलम यूनिट-3 और 4 (2×1000 मेगावाट) बिजली संयंत्र से बिजली की निकासी के लिए भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के तहत महारत्न सीपीएसई, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड) द्वारा निर्मित किए जा रहे ट्रांसमिशन सिस्टम की आधारशिला रखी। अंतर-राज्यीय ट्रांसमिशन सिस्टम (आईएसटीएस) परियोजना के तहत पावरग्रिड कुडनकुलम ट्रांसमिशन लिमिटेड द्वारा कार्यान्वित की जा रही इस योजना में 400 केवी डी/सी (क्वाड) कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र (3 और 4) - तूतीकोरिन- द्वद्ध जीआईएस पीएस ट्रांसमिशन

लाइन और तूतीकोरिन- II जीआईएस में दो 400 केवी जीआईएस लाइन टर्मिनल उपकरणों का निर्माण शामिल है।

समारोह के दौरान श्री आर. एन. रवि, माननीय राज्यपाल, तमिलनाडु, श्री राममोहन नायडू किंजरापु, माननीय केंद्रीय नागर विमानन मंत्री, डॉ. एल. मुरुगन, माननीय केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और संसदीय कार्य राज्य मंत्री, श्री थंगम थेनारासु, माननीय कृषि मंत्री, तमिलनाडु, श्रीमती पी. गीता जीवन, माननीय समाज कल्याण और महिला सशक्तिकरण मंत्री, तमिलनाडु, श्रीमती कनिमोझी करुणानिधि, माननीय सांसदतथा केंद्र एवं राज्य सरकार और पावरग्रिड के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

यह परियोजना तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और पुदुचेरी सहित लाभार्थी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 2 गीगावाट स्वच्छ और विश्वसनीय परमाणु ऊर्जा की आपूर्ति में मदद करेगी, ताकि क्षेत्र की बढ़ती ऊर्जा माँगों को पूरा किया जा सके। यह पारेषण अवसंरचना 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन ऊर्जा क्षमता प्राप्त करने के भारत के महत्वाकांक्षी लक्ष्य का भी समर्थन करती है, जो देश के एनर्जी ट्रांज़िशन, सुरक्षा और हरित भविष्य के प्रति प्रतिबद्धता में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

30 जून 2025 तक पावरग्रिड द्वारा 1,80,533 सर्किट किलोमीटर ट्रांसमिशन लाइनों, 284 उप-केंद्रों और 5,66,831 एमवीए की ट्रांफॉर्मेशन क्षमता को कमीशन कर संचालित किया जा रहा है। नवीनतम तकनीकी उपकरणों व तकनीकों को अपनाने तथा स्वचालन और डिजिटल समाधानों के उन्नत उपयोग से पावरग्रिड 99.84न से अधिक की औसत ट्रांसमिशन सिस्टम उपलब्धता बनाए रखने में सक्षम रहा है।

डीएसईजे ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के 5 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया

जम्मू 29 जुलाई। जम्मू के संभागीय आयुक्त रमेश कुमार ने परिवर्तनकारी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के पाँच प्रभावशाली वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में स्कूल शिक्षा निदेशालय जम्मू द्वारा एससीईआरटी जम्मू-कश्मीर और समग्र शिक्षा के सहयोग से पॉलिटेक्निक जम्मू में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित किया।

इस कार्यक्रम में जम्मू-कश्मीर के स्कूल शिक्षा विभाग के सभी हितधारकों ने भाग लिया, जिनमें शिक्षक, छात्र, संस्थानों के प्रमुख, शैक्षिक प्रशासक और जेकेबीओएसई, जेकेएससीईआरटी, डीआईईटी, शिक्षा महाविद्यालय और अन्य संबद्ध संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल थे।

संभागीय आयुक्त ने शिक्षकों और एससीईआरटी द्वारा विकसित नवीन शिक्षण-अधिगम सामग्री की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया, जिसमें एनईपी 2020 के तहत प्रचारित रचनात्मकता और शिक्षार्थी-केंद्रित .ष्टिकोण को प्रदर्शित किया गया।

अपने संबोधन में, संभागीय आयुक्त ने एनईपी 2020 की परिवर्तनकारी भावना और शिक्षा प्रणाली पर इसके दूरगामी प्रभाव पर बात की। उन्होंने एनईपी 2020 द्वारा पिछली शिक्षा नीतियों की तुलना में लाए गए सुधारों पर प्रकाश डाला। उन्होंने जम्मू और कश्मीर के संदर्भ में इस नीति की प्रासंगिकता पर ज़ोर दिया और स्कूलों के समग्र विकास पर इसके ध्यान केंद्रित करने, बच्चों के लिए शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा के एकीकरण, मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक कल्याण को बढ़ावा देने, और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के समावेशन की ओर ध्यान आकर्षित किया।

संभागीय आयुक्त ने शिक्षक समुदाय से परिवर्तन के वाहक बनने और एनईपी 2020 को उसकी वास्तविक भावना के अनुरूप लागू करके छात्रों के भविष्य को आकार देने का आग्रह किया। स्कूल शिक्षा निदेशक जम्मू नसीम जावेद चौधरी ने केंद्र शासित प्रदेश में एनईपी 2020 के कार्यान्वयन का अवलोकन प्रस्तुत किया। उन्होंने शिक्षकों के प्रशिक्षण, मूल्यांकन में सुधार, बहुभाषावाद को बढ़ावा देने और संसाधन साझाकरण एवं शैक्षणिक संवर्धन के लिए स्कूल परिसरों की स्थापना में विभाग के प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को शैक्षिक सहायता किट का वितरण था, जिन्हें विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था, जो विभाग द्वारा समानता और समावेशन पर निरंतर जोर देने को दर्शाता है। इस अवसर पर एससीईआरटी की संयुक्त निदेशक सिंधु कपूर, जेकेबोस के अकादमिक निदेशक डॉ. सुधीर सिंह, मुख्य शिक्षा अधिकारी जम्मू अजीत शर्मा, राजकीय शिक्षा महाविद्यालय, डाइट जम्मू, समग्र शिक्षा, जेकेयूटी के प्रतिनिधि, छात्र, जेडईओ, एचओआई, शिक्षक प्रशिक्षक और स्कूल शिक्षा विभाग के विभिन्न विंग के अधिकारी उपस्थित थे।

जम्मू हवाई अड्डे पर पक्षियों से संबंधित खतरों का अध्ययन करने के लिए संयुक्त समिति का गठन

जम्मू, 29 जुलाई (हि.स.)। संभागीय आयुक्त रमेश कुमार ने आज जम्मू हवाई अड्डे पर पक्षियों से संबंधित खतरों को रोकने के उपायों पर चर्चा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में जेएमसी आयुक्त; एओसी वायु सेना स्टेशन जम्मू; उपाध्यक्ष जेडीए; एडीडीसी जम्मू; सीईओ छावनी बोर्ड जम्मू और एएआई के प्रतिनिधि शामिल हुए।

बैठक में जम्मू हवाई अड्डे के आसपास के क्षेत्रों से उत्पन्न होने वाले पक्षियों के खतरे के मुद्दे पर चर्चा की गई। बताया गया कि कूड़े के ढेर और कचरे के ढेर के कारण पक्षी हवाई अड्डे की परिधि के ऊपर से उड़ते हैं।

संभागीय आयुक्त ने जेएमसी, जेडीए और सीईओ छावनी बोर्ड जम्मू को जम्मू हवाई अड्डे के आसपास के क्षेत्रों में एक मजबूत कचरा निपटान तंत्र लागू करने का निर्देश दिया। उन्होंने पक्षियों को आकर्षित करने वाले कचरे के ढेर को रोकने के लिए निषेधाज्ञा जारी करने और जागरूकता अभियान चलाने के लिए भी कहा।

विशेषाधिकार समिति की श्रीनगर में बैठक

श्रीनगर, 29 जुलाई (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा की विशेषाधिकार समिति ने आज श्रीनगर स्थित विधानसभा परिसर में विधायकों के संवैधानिक विशेषाधिकारों और अधिकारों से संबंधित मामलों पर चर्चा के लिए एक बैठक बुलाई।

बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष निज़ामुद्दीन भट ने की और इसमें समिति के सदस्य विक्रम रंधावा, जावेद रियाज़ (बेदार), सलमान सागर, शेख अहसान अहमद (परदेसी), रियाज़ अहमद खान, भारत भूषण और जावेद इकबाल शामिल हुए।

बैठक में सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) के आयुक्त सचिव एम. राजू, विधि, न्याय एवं संसदीय कार्य विभाग के सचिव अचल सेठी, आतिथ्य एवं प्रोटोकॉल विभाग के सचिव नीरज कुमार और विधानसभा सचिव मनोज कुमार पंडिता भी उपस्थित थे।

अध्यक्ष ने विधायकों द्वारा सभी उपयुक्त मंचों पर अपने संवैधानिक अधिकारों और विशेषाधिकारों का दावा करने के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने निर्वाचित प्रतिनिधियों की गरिमा, स्वायत्तता और प्रभावी कार्यप्रणाली की रक्षा के लिए एक सुपरिभाषित ढाँचे की आवश्यकता पर बल दिया।

समिति ने संकल्प लिया कि विधायकों के विशेषाधिकारों और प्रोटोकॉल संबंधी मुद्दों पर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करके निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रस्तुत की जाए।

डॉ. राजीव भगत ने भाजपा मुख्यालय में जनता दरबार लगाया

जम्मू, 29 जुलाई (हि.स.)। बिश्नाह विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. राजीव भगत ने जम्मू के त्रिकुटा नगर स्थित जम्मू-कश्मीर भाजपा मुख्यालय में जनता दरबार लगाकर नागरिकों की शिकायतें सुनीं। दरबार में स्थानीय निवासियों और जम्मू के विभिन्न हिस्सों से आए प्रतिनिधिमंडलों ने भाग लिया जो भाजपा के जन-केंद्रित दृष्टिकोण में जनता के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। दीप नगर के एक अन्य प्रतिनिधिमंडल ने बिजली आपूर्ति प्रभावित होने वाले ट्रांसफार्मर के खराब होने पर चिंता व्यक्त की। बिश्नाह के चक अवतार के नागरिकों ने सड़क किनारे नालियों की खराब स्थिति पर प्रकाश डाला और 28 नए बिजली के खंभे लगाने का अनुरोध किया। हसरा दब्बड़ के निवासियों ने ओएचटी (ओवरहेड टैंक) लाइनों के गायब होने के कारण नलकूप के खराब होने की ओर इशारा किया जबकि मरालियन के एक प्रतिनिधिमंडल ने अनियमित कचरा संग्रहण का मुद्दा उठाया लालियाना माइनर पर अतिक्रमण और नहर की भूमि के उचित सीमांकन की आवश्यकता का मुद्दा छागरा बिश्नाह के निवासियों द्वारा उठाया गया। कोठे सैनियान के लोगों ने बिजली घर से चक हसल तक एक नाले के निर्माण का अनुरोध किया और क्षेत्र में गली और नाली के बुनियादी ढांचे के निर्माण की मांग की।

उपराज्यपाल ने बारामूला में कश्मीर की संस्कृति का जश्न मनाने वाले एक विशाल कार्यक्रम, कशूर रिवाज 2025 में भाग लिया

बारामूला 29 जुलाई। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा बारामूला में कश्मीर की संस्.ति का जश्न मनाने वाले एक विशाल कार्यक्रम, कशूर रिवाज 2025 में शामिल हुए।

अपने संबोधन में, उपराज्यपाल ने इतिहास रचने और विश्व रिकॉर्ड का खिताब हासिल करने के लिए बारामूला के 20,000 युवाओं को हार्दिक बधाई दी।

उपराज्यपाल ने कहा, लडीशाह और सुलेख के लिए एक साथ आकर आपने एक नया विश्व कीर्तिमान स्थापित किया है। यह उपलब्धि समाज के सभी वर्गों को अपनी विरासत से जुड़ने, अपनी संस्.ति को अपनाने और अपने मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रेरित करेगी।

उन्होंने इस सराहनीय प्रयास के लिए भारतीय सेना और

बारामूला जिला प्रशासन की भी सराहना की।

उपराज्यपाल ने कहा मैं हमारी सेना के समर्पण और प्रतिबद्धता को सलाम करता हूँ। वे न केवल राष्ट्र की एकता और अखंडता की रक्षा कर रहे हैं, बल्कि इस क्षेत्र की जीवंत सांस्.तिक विरासत के संरक्षक के रूप में भी सक्रिय रूप से सेवा कर रहे हैं और हमारे युवाओं के सपनों और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं।

विविधता में एकता भारत की महान संस्.ति की पहचान है। भारतीय सेना ने सामाजिक लाभ के लिए इस शक्ति का निरंतर उपयोग करने का प्रयास किया है, और युवाओं के लिए साहित्य, संगीत, कला और खेल के माध्यम से राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के अवसर पैदा किए हैं।

उपराज्यपाल ने माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, जम्मू-कश्मीर के युवाओं को सशक्त बनाने के लिए भारत सरकार और जम्मू-कश्मीर प्रशासन की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि हम समग्र सरकारी .ष्टिकोण के साथ जम्मू-कश्मीर के युवाओं की आकांक्षाओं को राष्ट्र की आकांक्षाओं के साथ जोड़ने के लिए काम कर रहे हैं। युवाओं की आशाएँ और सपने केवल शांतिपूर्ण वातावरण में ही फल-फूल सकते हैं। पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद और अलगाववाद ने जम्मू-कश्मीर से शांति, प्रगति और युवाओं की आकांक्षाओं को छीन लिया है। अब जम्मू-कश्मीर तेज़ी से आगे बढ़ रहा है।

किसानों को सरकार की विभिन्न योजनाओं के प्रति किया जागरूक

आरएस पुरा, 29 जुलाई (हि.स.)। किसानों को सरकार की विभिन्न योजनाओं के साथ-साथ कृषि संबंधी जागरूक करने के मकसद से कैथोलिक सोशल सर्विस सोसायटी जम्मू कश्मीर की तरफ से मंगलवार को अरनिया क्षेत्र के गांव तरेवा में एक दिवसीय किसान जागरूकता कैंप का आयोजन किया गया। इस जागरूकता कार्यक्रम में पंचायत की पूर्व सरपंच बलबीर कौर तथा गांधी ग्लोबल फैमिली के अध्यक्ष पदम श्री डॉ. एसपी वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

इसके अलावा कार्यक्रम में पूर्व कृषि अधिकारी सरदार गुरदीप सिंह विशेष तौर पर उपस्थित रहे जिन्होंने पंचायत के किसानों को सरकार की विभिन्न योजनाओं के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ धान की बेहतर पैदावार हासिल करने संबंधी किसानों को बताया। उन्होंने कहा कि किसानों को पूर्ण रूप से जानकारी होनी चाहिए कि कौन से समय पर कौन सी दवाई का छिड़काव फसल पर करना है तथा इस बात का भी किसानों को पूरा ध्यान रखना चाहिए कि बासमती की फसल को सिंचाई हेतु पानी की आवश्यकता काफी अधिक होती है।

जीजीएचएसएस सांबा में पाँच दिवसीय एनईपी उत्सव-2025 का शुभारंभ

सांबा, 29 जुलाई (हि.स.)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की पाँचवीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में राजकीय बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सांबा में एक भव्य उद्घाटन समारोह के साथ पाँच दिवसीय एनईपी उत्सव 2025 का शुभारंभ हुआ। मुख्य शिक्षा अधिकारी द्वारा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (सीडब्ल्यूएसएन) के समावेशन और सशक्तिकरण पर विशेष जोर देते हुए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपायुक्त राजेश शर्मा उपस्थित रहे जिन्होंने एनईपी उत्सव का औपचारिक उद्घाटन किया। उनके साथ सहायक आयुक्त राजस्व (एसीआर) अजय भारती, मुख्य शिक्षा अधिकारी सांबा केवल कृष्ण, जीएचएसएस सांबा की प्रधानाचार्य श्रीमती भावना अबरोल और भारती एयरटेल फाउंडेशन के दीपक ठाकुर भी मौजूद थे। अपने मुख्य भाषण में उपायुक्त राजेश शर्मा ने भारतीय शिक्षा में बदलाव लाने में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रांतिकारी दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला और शिक्षा में समावेशिता, समानता और सुगमता के महत्व पर बल दिया।

'समुदाय की सेवा और पार्टी को मज़बूत करने के लिए अथक प्रयास करेंगे'

जम्मू, 29 जुलाई (हि.स.)। बिश्नाह के डीडीसी धर्मिंदर कुमार ने जम्मू के त्रिकुटा नगर स्थित पार्टी मुख्यालय में वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों की एक भव्य और उत्साही सभा में भारतीय जनता पार्टी के अनुसूचित जाति (एससी) मोर्चा के अध्यक्ष के रूप में औपचारिक रूप से कार्यभार संभाला। इस अवसर पर जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष सत शर्मा ने पारंपरिक भगवा पगड़ी बाँधी जो सम्मान, ज़िम्मेदारी और उनके नेतृत्व में पार्टी के विश्वास का प्रतीक है।समारोह में भाजपा उपाध्यक्ष एडवोकेट भी उपस्थित थे। रेखा महाजन, राज्य महासचिव संजीता डोगरा, बलदेव सिंह बिलावरिया और गोपाल महाजन, डीडीसी अध्यक्ष भारत भूषण (जम्मू) और लाल चंद (उधमपुर), विधायक डॉ. देविंदर कुमार मन्याल, चंद्र प्रकाश गंगा, सुनील भारद्वाज, एससी मोर्चा प्रभारी जगदीश भगत, पूर्व विधायक और जिला अध्यक्ष नीलम लंगेह और अन्य गणमान्य व्यक्ति और पार्टी पदाधिकारी मौजूद थे।

मढ़ विधानसभा में विकास कार्यों का उद्घाटन

जम्मू , 29 जुलाई (हि.स.)। भाजपा जम्मू कश्मीर महामंत्री एवं जम्मू के पूर्व डिप्टी मेयर बलदेव सिंह बलोरिया ने मढ़ विधानसभा के विधायक सुरिंदर कुमार भगत के साथ क्षेत्र के वार्ड 75 संग्रामपुर में विकास कार्यों का उद्घाटन किया। इस विकास कार्य में पुलिया के निर्माण कार्य को जम्मू नगर निगम की देखरेख में पूरा किया गया। इस अवसर पर भाजपा जम्मू कश्मीर महामंत्री एवं जम्मू के पूर्व डिप्टी मेयर बलदेव सिंह बलोरिया ने कहा कि यह विकास कार्य स्थानीय लोगों की लंबे समय से लंबित मांग थी और अब यह मांग पूरी हो गई है।

उन्होंने कहा मुझे खुशी है कि मुझे उन विकास कार्यों के लोकार्पण का सौभाग्य भाजपा विधायक सुरेंद्र कुमार के साथ मिल रहा है जिसकी मैंने योजना बनाई थी। उन्होंने कहा कि अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने जम्मू शहर के हर क्षेत्र में विकास कार्य करवाने का प्रयास किया ताकि लोगों को उनके घर-द्वार पर विकास प्रदान किया जा सके। उन्होंने कहा कि इस पुलिया के बनने से क्षेत्र की यातायात समस्या का समाधान होगा और स्थानीय लोगों की जीवनशैली में सुधार आएगा। बलोरिया ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार क्षेत्रीय विकास और जनहित के लिए निरंतर काम कर रही है।

आगामी दिनों में भी इस तरह के विकास कार्यों को तेज किया जाएगा ताकि जम्मू-कश्मीर के हर हिस्से में आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि भाजपा का मुख्य उद्देश्य लोगों के दरवाजे पर हर सेवा प्रदान करना और मोदी सरकार विकास में विश्वास करती है न कि झूठे आश्वासन देती है। इस अवसर पर विधायक सुरिंदर कुमार भगत ने लोगों को आश्वासन दिया कि वार्ड में चल रहे कार्यों में तेजी लाई जाएगी और जल्द ही अन्य चल रहे विकास कार्यों को पूरा किया जाएगा।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
MECHANICAL IRRIGATION DIVISION, AKHNOOR/NOWSHERA
Tele/Fax :01924-253998/E-Mail - ifcjmidakhnoor@gmail.com
Notice Inviting Tender
e-NIT No.: - MID/AN/25 Dated: -28/07/2025

For and on behalf of The Hon'ble Lt. Governor of Jammu and Kashmir (UT), Executive Engineer, Mechanical Irrigation Division Akhnoor/Nowshera invites e-tenders from Approved contractors/ Registered firms / Workshop owners having experience in Electromechanical Works for following jobs: -

S. No.	Name of the work	Quantity	Earnest Money (Rs. in Lacs)	Cost of tender document	Period of Completion	Class of contractor
01.	Repair to 25 HP three phase induction motor no. 02 and Repair to 100 KVA electrical transformer at LIS Kot.	01 Job	02% of the quoted value	Rs. 200	10 Days	Registered /Reputed firms / Workshop owners having experience in Electromechanical Works

The bidding documents can be seen and downloaded from the website http://www.jktenders.gov.in from 28/07/2025 (05:30PM) to 06/08/2025 (02:00 PM). Bidding document contains instruction for bidders, bill of quantities, general terms and condition and other details.

a) The Bids shall be uploaded in electronic format on the website http://www.jktenders.gov.in from 30/07/2025(10:00AM) to 06/08/2025 (02:00 PM).
b) The complete bidding process will be through electronic mode.
c) A pre-bid meeting will be held on 29/07/2025 (11:30 AM) in the Office of the Executive Engineer, Mechanical Irrigation Division Akhnoor / Nowshera to address any queries from the firms.
d) Cover-I of the bids uploaded on the website up to due date and time will be opened on 7/08/2025(1:00PM) in the Office of the Executive Engineer, Mechanical Irrigation Division Akhnoor / Nowshera in the presence of the bidders who wish to attend. If the office happens to be closed on the date of opening of the bids as specified, the bids will be opened on the next working day at the same time and venue.
e) Furnishing of hard copies of bids immediately after submission of e-Tenders is dispensed with. The same should be
obtained only from the bidders who is declared as L1 after opening of Financial Bids
f) The cost of the tenders should be collected by introducing e-challan by simply uploading a copy of necessary treasury challan/Receipt.
2. Similarly, insisting on actual call deposit receipt, a copy of same duly pledged to the concerned department should be uploaded by the tenderers. However, before allotting the work or issuing the supply order the original CDR should be obtained and kept on record.
3. Other details can be seen in the bidding document.
4. The guidelines regarding submission of bid in electronic mode can be downloaded from website http://www.jktenders.gov.in
5. The bidders shall go through the tender specific instructions sheet also.
6. The bidders for any clarification can contact the department through e-mail ifcjmidakhnoor@gmail.com.

No: - MID/AN/504-08 Dated: - 28-07-2025

DIP/J-4040/25
Dtd:29-7-2025

Sd/-
Executive Engineer
Mechanical Irrigation Division
Akhnoor/Nowshera

अमृत योजना के तहत 594 करोड़ रुपये की लागत वाली जल आपूर्ति योजना का शिलान्यास

सांबा 29 जुलाई। सांबा शहर में पेयजल की बेहतर पहुँच के उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार के मिशन में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए, जल शक्ति मंत्री जावेद अहमद राणा ने सांबा शहर में जल आपूर्ति योजना की आधारशिला रखी।

सांबा शहर में जल आपूर्ति बढ़ाने की यह परियोजना अमृत 2.0 के तहत शुरू की जा रही है। इस परियोजना की अनुमानित लागत 594 करोड़ रुपये है, जिसका लक्ष्य 530 कार्यात्मक घरेलू नल जल कनेक्शन प्रदान करना है। यह योजना पूरी होने पर सभी 17 वार्डों में सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित होगा जिससे 30,000 से अधिक नागरिकों को लाभ होगा। आधारशिला रखते हुए, राणा ने एक टिकाऊ और समतामूलक शहरी बुनियादी ढाँचे की दिशा में काम करने की उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा जलापूर्ति योजना से स्थानीय निवासियों के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार होने और विश्वसनीय एवं सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित होने की उम्मीद है। यह परियोजना केवल जल आपूर्ति में सुधार के बारे में नहीं है, बल्कि सांबा के प्रत्येक निवासी के लिए एक स्वस्थ और अधिक सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करने के बारे में है। राणा ने अमृत 2.0 के तहत सतत शहरी विकास के सरकार के व्यापक लक्ष्य पर प्रकाश डाला। बाद में, जल शक्ति मंत्री ने ग्रामीण सांबा में छह जलापूर्ति योजनाओं का भी उद्घाटन किया। जल जीवन मिशन के तहत स्वी.त पाँच परियोजनाएँ और केंद्र शासित प्रदेश के पूंजीगत व्यय बजट के तहत एक परियोजना, सांबा के कई गाँवों की वर्तमान और भविष्य की पेयजल आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचागत पहल हैं।

ठाठरी में पोषण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

ठाठरी, 29 जुलाई (हि.स.)। पोषण परियोजना ठाठरी द्वारा आज जिला कार्यक्रम अधिकारी अख्तर हुसैन काज़ड्डी के समग्र पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के अंतर्गत परियोजना की नवनियुक्त संगिनियों (आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं) को औपचारिक रूप से नियुक्ति आदेश सौंपे गए। इसके अतिरिक्त मातृ एवं शिशु कल्याण हेतु केंद्र प्रायोजित योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को शिशु किट प्रदा की गईं।

कार्यक्रम में उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई और ठाठरी के जिला विकास आयुक्त, उप-विभागीय मजिस्ट्रेट (एसडीएम), तहसीलदार, बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ), तहसील आपूर्ति अधिकारी (टीएसओ), पर्यवेक्षकों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में स्थानीय निवासियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को गरिमामय बना दिया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वास्थ्य, पोषण और बाल देखभाल के बारे में जागरूकता फैलाना था साथ ही समर्पित जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं को शामिल करके आंगनवाड़ी प्रणाली को सुदृढ़ बनाने का जश्न मनाना भी था। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने पोषण टीम के प्रयासों की सराहना की तथा सभी हितधारकों से क्षेत्र में महिलाओं और बच्चों की बेहतरी के लिए प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ काम करते रहने का आग्रह किया।

संपादकीय

रेबीज़ से बचाव

सुप्रीम कोर्ट द्वारा कुत्तों के काटने से रेबीज़ होने की घटनाओं से संबंधित एक मीडिया रिपोर्ट पर स्वत: संज्ञान लेने की खबर ने देश भर में, खासकर जम्मू और श्रीनगर जैसे शहरों में, जहाँ आवारा कुत्तों का आतंक खतरनाक स्तर तक पहुँच गया है, कई लोगों का ध्यान आकर्षित किया होगा। समय की माँग है कि सभी हितधारक एकजुटता और समन्वय से काम करें ताकि रेबीज़ का पूरी तरह से उन्मूलन किया जा सके। यह महत्वपूर्ण है कि संबंधित हितधारक जम्मू-कश्मीर और पूरे देश में मलेरिया, टीबी, एचआईवी/एड्स, कोविड-19 आदि की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियानों की तरह एक विशेष अभियान शुरू करें, क्योंकि यह बीमारी भी कम गंभीर और खतरनाक नहीं है।

इस संदर्भ में, कथित तौर पर सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन शामिल हैं, ने एक अंग्रेजी दैनिक के दिल्ली संस्करण में प्रकाशित समाचार को बेहद परेशान करने वाला और चिंताजनक बताया है क्योंकि इसमें रेबीज़ के प्रसार से संबंधित कुछ चिंताजनक और चिंताजनक आँकड़े और तथ्य शामिल थे। यद्यपि उपरोक्त रिपोर्ट में देश की राजधानी से संबंधित आंकड़े शामिल थे, लेकिन अन्य शहरों में भी स्थिति चुनौतीपूर्ण है और इसलिए अब सभी की निगाहें सर्वोच्च न्यायालय पर टिकी हैं कि वह इस रोकथाम योग्य बीमारी से निपटने के लिए उपाय बताए और लोगों की जान बचाए।

लोगों में विशेष रूप से उन लोगों के बीच आशा की किरण जगाते हुए जिन्हें विषम घंटों के दौरान बाहर काम करना पड़ता है और इस खतरे का अक्सर सामना करना पड़ता है, उपरोक्त सुप्रीम कोर्ट बेंच ने इस मुद्दे पर स्वत संज्ञान लेने के आदेश के साथ-साथ उपरोक्त समाचार रिपोर्ट को उचित आदेशों के लिए भारत के मुख्य न्यायाधीश के समक्ष रखा है। जम्मू-कश्मीर का मामला लें तो रेबीज का खतरा बढ़ रहा है, खासकर श्रीनगर और जम्मू जैसे शहरी केंद्रों में, जहां आवारा कुत्तों की बढ़ती आबादी और सीमित जागरूकता महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिम पैदा करती है। कुत्ते के काटने के मामले अक्सर सामने आते हैं, लेकिन चिकित्सा सहायता में अंतराल, इस मुद्दे पर जागरूकता और नागरिक निकायों की सुस्ती रेबीज को एक मूक हत्यारे के रूप में कार्य करने की अनुमति दे रही है।

हालाँकि, रेबीज और कुत्ते के काटने से होने वाली मौतों की संख्या के बारे में तस्वीर स्पष्ट नहीं है, लेकिन यह सुनिश्चित है कि जम्मू-कश्मीर को भी जान बचाने और एक सुरक्षित और स्वस्थ समाज बनाने के लिए तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता है।

बीबिपुर- एक गांव की कहानी, जो अब किताबों में पढ़ाई जाएगी

नेमप्लेट पर लाडो का नामबीबिपुर गांव की सबसे चर्चित और क्रांतिकारी पहल रही- ₹बेटी के नाम नेमप्लेट₹। यह विचार बेहद सरल, मगर सामाजिक रूप से बेहद प्रभावशाली था। आज तक अधिकांश घरों की पहचान पुरुष सदस्य के नाम से होती थी, लेकिन बीबिपुर में घरों की पहचान बेटियों के नाम से शुरू हुई। इस पहल ने सिर्फ एक संकेत बदला नहीं, बल्कि सोच बदल दी। बेटियों को घर का गौरव मानने की दिशा में यह पहला साहसी कदम था। गांव के सैकड़ों घरों में बेटियों के नाम की तख्तियां लगीं और एक नई सामाजिक चेतना जागी।

डॉ. प्रियंका सौरभ

हरियाणा का बीबिपुर गांव अब देशभर के छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया है। सीबीएसई बोर्ड ने इसकी सामाजिक क्रांति की कहानी कक्षा आठवीं के पाठ्यक्रम में शामिल की है। बेटी के नाम नेमप्लेट, लाडो सरोवर, खुले में शौच से मुक्ति और महिला सशक्तिकरण जैसे प्रयासों ने इसे एक मॉडल गांव बनाया। पूर्व सरपंच प्रह्लाद डांगरा के नेतृत्व में यह गांव सोच और समाज दोनों बदलने में सफल रहा। बीबिपुर अब सिर्फ एक गांव नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के लिए एक आशा की किरण और बदलाव का प्रतीक बन चुका है।

कभी एक सामान्य-सा गांव और आज देशभर के बचों के लिए प्रेरणा- हरियाणा का बीबिपुर गांव अब सिर्फ नक्शे पर मौजूद एक बिंदु नहीं रहा, बल्कि सामाजिक बदलाव और विकास का जीवंत प्रतीक बन चुका है। इतना ही नहीं, अब बीबिपुर गांव की यह अनूठी कहानी कक्षा आठवीं के छात्रों को भी पढ़ाई जाएगी। ICSE बोर्ड ने इसे अपने सामाजिक विज्ञान पाठ्यक्रम में शामिल कर लिया है। यह न केवल एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, बल्कि पूरे ग्रामीण भारत के लिए एक संदेश भी है-परिवर्तन संभव है, अगर सोच बदले।

बदलाव की शुरुआत- एक बीज से विशाल वटवृक्षबीबिपुर गांव, हरियाणा के जींद जिले में स्थित है। यह वही राय है, जहां लिंगानुपात के असंतुलन, बाल विवाह और सामाजिक भेदभाव जैसे मुद्दे दशकों तक चर्चा का विषय रहे हैं।

लेकिन इसी हरियाणा की मिट्टी से उभरा बीबिपुर, जिसने इन सभी धारणाओं को तोड़कर नई मिसाल कायम की। वर्ष 2010 में गांव के पूर्व सरपंच प्रह्लाद डांगरा ने एक ऐसी पहल की शुरुआत की, जो आगे चलकर सामाजिक क्रांति में बदल गई। उनका सपना था — एक ऐसा गांव, जहां बेटी को सम्मान मिले, जल-संरक्षण हो, महिलाएं सशक्त हों, और समाज खुले में शौच से मुक्त हो।

नेमप्लेट पर लाडो का नामबीबिपुर गांव की सबसे चर्चित और क्रांतिकारी पहल रही- ₹बेटी के नाम नेमप्लेट₹। यह विचार बेहद सरल, मगर सामाजिक रूप से बेहद प्रभावशाली था। आज तक अधिकांश घरों की पहचान पुरुष सदस्य के नाम से होती थी, लेकिन बीबिपुर में घरों की पहचान बेटियों के नाम से शुरू हुई। इस पहल ने सिर्फ एक संकेत बदला नहीं, बल्कि सोच बदल दी। बेटियों को घर का गौरव मानने की दिशा में यह पहला साहसी कदम था। गांव के सैकड़ों घरों में बेटियों के नाम की तख्तियां लगीं और एक नई सामाजिक चेतना जागी।

लाडो सरोवर- बेटियों के नाम जल-स्त्रोतगांव में लाडो सरोवर की स्थापना सिर्फ जल संचयन का प्रयास नहीं था, बल्कि यह उस सोच का सम्मान था जो बेटियों को प्रकृति के साथ जोड़ती है। यह एक प्रतीक बन गया- जीवन देने वाले जल और जीवन की जननी 'बेटी' के बीच के अटूट संबंध का। लाडो सरोवर ने गांव को पर्यावरणीय जागरूकता की राह पर भी अग्रसर किया और जल संरक्षण की प्रेरणा दी।

खुले में शौच से मुक्ति और स्वच्छता की अलखबीबिपुर की सबसे बड़ी जीत उस समय मानी गई जब उसने खुले में शौच से पूरी तरह मुक्ति पा ली। शौचालय निर्माण को प्राथमिकता दी गई और इसके पीछे शर्म नहीं, स्वास्थ्य और गरिमा की भावना को रखा गया। महिलाओं को सुरक्षा और सम्मान मिला, बचों को बीमारियों से राहत, और गांव को नई पहचान।

सोच बदली तो गांव बदलाप्रह्लाद डांगरा और उनकी टीम ने एक नारा दिया- सोच बदली तो गांव बदला₹। यह नारा महज शब्दों की जुगलबंदी नहीं थी, यह हर बीबिपुरवासी के दिल की आवाज थी। पुरुषों की मानसिकता में बदलाव आया, महिलाओं को निर्णय लेने का अधिकार मिला, बेटियों को शिक्षा और सम्मान मिला, और गांव की तस्वीर बदलने पंचायतें और जागरूकता कार्यक्रमगांव में महिला ग्राम सभाओं का आयोजन हुआ, जहां महिलाएं खुलकर अपनी समस्याएं और सुझाव रखती थीं। यह लोकतंत्र का सचा रूप था, जिसमें आधी आबादी भी पूरी भागीदारी निभा रही थी। शराबबंदी, दहेज, बाल विवाह और घरेलू हिंसा जैसे मुद्दों पर खुलकर बहसें हुईं और समाधान निकाले गए।

राष्ट्रीय स्तर पर पहचानबीबिपुर की इस सामाजिक जागरूकता की लहर ने जल्द ही मीडिया, प्रशासन और विभिन्न सामाजिक संगठनों का ध्यान खींचा। इस गांव को कई राष्ट्रीय और राय स्तरीय पुरस्कार मिले। कई एनजीओ ने यहां मॉडल के रूप में अध्ययन शुरू किया। गांव के बदलाव को डॉक्यूमेंट्रीज़ और शोध-पत्रों में दर्ज किया गया।

अब किताबों में:- प्रेरणा का स्थायी स्थानआज जब सीबीएसई बोर्ड ने बीबिपुर गांव की इस कहानी को कक्षा आठवीं की किताब में शामिल किया है, तो यह किसी पुरस्कार से कम नहीं। यह कहानी अब देशभर के लाखों छात्र-छात्राओं को पढ़ाई जाएगी। वे जानेंगे कि बदलाव के लिए बड़े-बड़े भाषण या योजनाएं जरूरी नहीं होतीं — बस एक व्यक्ति की दृढ़ इछा शक्ति और सामाजिक भागीदारी ही काफी होती है। यह न केवल छात्रों को सामाजिक विज्ञान का पाठ पढ़ाएगी, बल्कि समाज विज्ञान का असली अर्थ भी समझाएगी।

शिक्षा से बदलाव की वापसीबीबिपुर की कहानी बचों को यह सिखाएगी कि गांव का विकास केवल सड़क या इमारतों से नहीं होता, बल्कि विचारों से होता है। यह पाठ छात्रों में सामाजिक नेतृत्व, नागरिक जिम्मेदारी और सकारात्मक सोच का बीज बोएगा। और यही तो शिक्षा का अंतिम उद्देश्य होता है- सोच में परिवर्तन।

क्या बाकी गांव सीखेंगे? बीबिपुर एक मॉडल है, परंतु यह अकेला नहीं होना चाहिए। आज देश के हजारों गांव सामाजिक कुरीतियों से जूझ रहे हैं। कहीं बेटियों की भ्रूण हत्या हो रही है, कहीं खुले में शौच आज भी आम है, कहीं शिक्षा का स्तर बेहद कमजोर है। ऐसे में बीबिपुर की कहानी एक आदर्श प्रस्तुत करती है — अगर वे कर सकते हैं, तो हम क्यों नहीं? सरकारों को चाहिए कि ऐसे उदाहरणों को पाठ्यक्रम से आगे ले जाकर नीति-निर्माण का आधार बनाए। पंचायतों को प्रशिक्षित किया जाए, महिला नेतृत्व को बढ़ावा मिले, और गांवों में मूलभूत बदलाव लाने के लिए ऐसे मॉडल को स्थानीय भाषाओं में प्रचारित किया जाए।

बीबिपुर अब सिर्फ एक गांव नहीं, एक विचार हैबीबिपुर की सफलता की असली कुंजी सहभागिता, जागरूकता और नेतृत्व है। यह गांव बताता है कि असल क्रांति हथियारों से नहीं, सोच की धार से आती है। यह कहानी यह भी बताती है कि कोई गांव छोटा नहीं होता, अगर उसकी सोच बड़ी हो। आज जब बीबिपुर की कहानी स्कूलों में पढ़ाई जाएगी, तो वह सिर्फ एक पाठ नहीं होगी, बल्कि सपनों के बीज बोने वाली प्रेरणा होगी। हो सकता है, किसी बचे के मन में यह कहानी एक चिंगारी जला दे, जो कल किसी और गांव को रोशन कर दे। बीबिपुर अब सिर्फ एक स्थान नहीं, एक आंदोलन, एक प्रेरणा और एक जीवित पाठशाला है- जहां से देश को नई दिशा मिलेगी।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौता: एक क्रांतिकारी कदम

ब्रिटेन के साथ यह एफटीए एक उदाहरण है कि कैसे भारत न्यायसंगत और समावेशी व्यापार समझौते कर सकता है, जिसमें न तो अपने किसानों, न ही डेयरी क्षेत्र या छोटे उत्पादकों को नुकसान होता है। भारत ने संवेदनशील क्षेत्रों को समझौते से बाहर रखकर आत्मनिर्भरता और खाद्य सुरक्षा की अपनी नीति को बरकरार रखा है। वर्तमान में भारत का वैश्विक व्यापार लगभग 21 अरब डॉलर है, जो इस समझौते के बाद 2030 तक 120 अरब डॉलर तक पहुँचने की संभावना रखता है। यह न केवल विदेशी निवेश को आकर्षित करेगा, बल्कि भारत की मैन्युफैक्चरिंग हिस्सेदारी को 17 प्रतिशत से 25 प्रतिशत तक बढ़ाने में सहायक होगा।

भारत और ब्रिटेन के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की अंतिम स्वीकृति ने न केवल वैश्विक व्यापार जगत में हलचल मचा दी है, बल्कि भारत के आर्थिक भविष्य को भी एक नई दिशा दी है।

दोनों देशों के बीच आखिरकार फ्री ट्रेड एग्रीमेंट होने का फायदा दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को मिलेगा। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से संरक्षणवाद बढ़ा है, उसमें ऐसे व्यापार समझौतों की भूमिका और भी अहम हो जाती है। इस समझौते से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न केवल अमेरिका बल्कि अन्य देशों को भी भारत की मजबूत होती स्थिति का आइना दिखाया है, जो उनकी दूरगामी एवं कूटनीतिज्ञ राजनीति का द्योतक है। इस समझौते को मौजूदा दौर में दुनियाभर में जारी बहुस्तरीय तनाव, दबाव एवं दादागिरी की राजनीति के बीच एक बेहतर एवं सूझबूझभरी कूटनीतिक कामयाबी के तौर पर देखा जा सकता है।

यह छिपा नहीं है कि अमेरिका के राष्ट्रपति ने शुल्क के मोर्चे पर एक बड़ा द्वंद्व एवं संकट खड़ा कर दिया था। लेकिन भारत ने इस द्वंद्व के बीच झूकने की बजाय नये रास्ते खोजे हैं।

निश्चित ही यह व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) महज एक कागज़ी करार नहीं, बल्कि 'विकसित भारत 2047' के स्वप्न को मूर्त रूप देने की ठोस रणनीति है। जहां एक ओर यह समझौता 99 प्रतिशत टैरिफ को समाप्त कर वस्त्र, चमड़ा, समुद्री उत्पाद, कृषि व रत्न-आभूषण जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों को नई उड़ान देगा, वहीं दूसरी ओर छोटे उद्यमों, मछुआरों और किसानों को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाएगा। भारत के ग्रामीण अंचलों से हल्दी, दाल, अचार जैसे उत्पाद अब ब्रिटिश बाजारों में अपनी महक फैलाएंगे।

मोदी सरकार ने पिछले एक दशक में जिस प्रकार से गुणवत्ता, प्रतिस्पर्धा और पारदर्शिता पर जोर दिया, उसी का परिणाम है यह करार। इससे यह भी सिद्ध हुआ कि अब भारत केवल बाजार नहीं, बल्कि एक निर्णायक शक्ति बन चुका है, जो अपने हितों की रक्षा करते हुए विश्व से संवाद करता है। यह समझौता सिर्फ व्यापार तक सीमित नहीं है, यह सेवा क्षेत्र, शिक्षा, वित्तीय सेवाएं, निवेश, सामाजिक सुरक्षा, और दोहरे कराधान जैसे क्षेत्रों में भी भारतीयों के लिए नए दरवाज़े खोलता है। खासकर ब्रिटेन में काम कर रहे भारतीय पेशेवरों के लिए यह राहत का संदेश है, जिन्हें सामाजिक सुरक्षा अंशदान से छूट मिल सकेगी। यह समझौता इसलिये भी महत्वपूर्ण है कि अब तक अमेरिका की ओर से पैदा किये गये किसी दबाव के आगे भारत ने झुकना स्वीकार नहीं किया और उसने भारत-ब्रिटेन जैसे नये विकल्पों को खड़ा करने और पुराने को मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाये हैं।

ब्रिटेन के साथ यह एफटीए एक उदाहरण है कि कैसे भारत न्यायसंगत और समावेशी व्यापार समझौते कर सकता है, जिसमें न तो अपने किसानों, न ही डेयरी क्षेत्र या छोटे उत्पादकों को नुकसान होता है। भारत ने संवेदनशील क्षेत्रों को समझौते से बाहर रखकर आत्मनिर्भरता और खाद्य सुरक्षा की अपनी नीति को बरकरार रखा है। वर्तमान में भारत का वैश्विक व्यापार लगभग 21 अरब डॉलर है, जो इस समझौते के बाद 2030 तक 120 अरब डॉलर तक पहुँचने की संभावना रखता है। यह न केवल विदेशी निवेश को आकर्षित करेगा, बल्कि भारत की मैन्युफैक्चरिंग हिस्सेदारी को 17 प्रतिशत से 25 प्रतिशत तक बढ़ाने में सहायक होगा। इस करार के साथ, मोदी सरकार ने साबित कर दिया है कि जब नियोजित दृष्टिकोण, वैश्विक प्रतिष्ठा और साहसिक निर्णय साथ चलते हैं, तो भारत जैसे विकासशील देश भी वैश्विक मंच पर निर्णायक बन सकते हैं।

भारत और ब्रिटेन के बीच सीईटीए के अस्तित्व में आने से एक नये आर्थिक सूर्य का उदय हुआ है, जिससे रोजगार सहित अनेक उन्नत राष्ट्र-निर्माण के अवसर सृजित होंगे। सीईटीए की संकल्पना आस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात और कुछ अन्य देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौतों के अनुरूप ही है। यह मोदी सरकार की भारत को 2047 तक विकसित बनाने की संकल्पना से जुड़ी रणनीति का एक हिस्सा है। मोदी सरकार ने भारत को तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनाने के अपने संकल्प में नये पंखों को जोड़ते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था में वैश्विक विश्वास को फिर से स्थापित करने तथा इसे भारतीय और विदेशी निवेशकों के लिए आकर्षक बनाने के लिए एक दृढ़ रणनीति अपनाई है। विकसित देशों के साथ एफटीए इस रणनीति के केंद्र में है। ऐसे समझौते व्यापार नीतियों से जुड़ी अनिश्चितताओं को दूर करके निवेशकों का विश्वास बढ़ाते हैं। पिछली यूपीए सरकार ने भारत के व्यापारिक दरवाजे प्रतिद्वंद्वी देशों के लिए खोलकर भारतीय व्यवसायों को खतरे में डालने वाला रवैया अपनाया था, लेकिन अतीत की उन बड़ी भूलों को सुधारा जा रहा है, जो नये भारत-विकसित भारत का आधार है।

मोदी के मेड इन इंडिया संकल्प की दृष्टि से यह डील बेहद अहम है। इससे करीब 99 प्रतिशत निर्यात यानी यहां से ब्रिटेन जाने वाली चीजों पर टैरिफ से राहत मिलेगी। इसी तरह ब्रिटेन से आनी वाली चीजें भारत में सस्ती मिल सकेंगी। जिससे आम लोगों को अधिक गुणवत्ता वाला सामान सस्ते में सुलभ होगा और जीवनस्तर में व्यापक सुधार होगा। डील से एक बड़ा फायदा होगा टेक्सटाइल्स, लेदर और इलेक्ट्रॉनिक्स को। इनसे मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलेगा। अभी ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग में भारत की हिस्सेदारी केवल 2.8 प्रतिशत है, जबकि चीन की 28.8 प्रतिशत। इसी तरह, देश की जीडीपी में मैन्युफैक्चरिंग का योगदान 17 प्रतिशत है और सरकार इसे 25 प्रतिशत तक बढ़ाना चाहती है। इस तरह की डील से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय, दोनों स्तर पर प्रदर्शन में सुधार होगा। कृषि सेक्टर को भी उन्नत बनाने एवं अधिक उत्पाद की दृष्टि से व्यापक फायदा होगा। इसके लिए इस समय भारत की बातचीत अमेरिका से भी चल रही है। लेकिन वहां कृषि और डेयरी प्रॉडक्ट्स को लेकर रस्साकशी है। अमेरिका इन दोनों क्षेत्रों में खुली छूट चाहता है, जबकि अपने लोगों के हितों को देखते हुए भारत ऐसा नहीं कर सकता। ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार होने से भारत के कृषि उद्योग को बढ़ावा मिलेगा।

क्रांतिकारी सुधारों, नवाचार, तकनीक, कारोबारी सुगमता और प्रधानमंत्री के वैश्विक व्यक्तित्व ने भारत को एक आर्थिक सूरज के रूप में उभारने में मदद की है, जहां विपुल संभावनाएं हैं। आज दुनिया भारत की ओर आशाभरी नजरों से देख रही है और भारत की अद्भुत विकासगाथा का हिस्सा बनना चाहती है। प्रमुख देशों द्वारा एक के बाद एक एफटीए इसी मान्यता की पुष्टि करते हैं। ब्रिटेन के साथ यह व्यापार समझौता बाजार पहुंच और प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त दिलाएगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत के एफटीए वस्तुओं और सेवाओं से कहीं आगे तक सांस्कृतिक आदान-प्रदान एवं नागरिक हितों तक जाते हैं। आस्ट्रेलियाई एफटीए के साथ भारत ने दोहरे कराधान का मुद्दा सुलझाया, जो आईटी कंपनियों की परेशानी बढ़ा रहा था। ब्रिटेन के साथ समझौते का एक अहम बिंदु दोहरे अंशदान से जुड़ा है। यह ब्रिटेन में नियोक्ताओं, अस्थायी भारतीय कर्मियों को तीन वर्षों के लिए सामाजिक सुरक्षा अंशदान से छूट देता है। इससे भारतीय सेवा प्रदाताओं की प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। ब्रिटेन में रहने वाले भारतीयों को अब अनेक सुविधाएं मिलेगी।

साल 2014 के बाद से भारत ने मॉरिशस, यूएई, ऑस्ट्रेलिया और ईएफटीए के साथ फ्री व्यापारिक समझौते किये हैं। ईएफटीए का अर्थ है यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ। यह एक क्षेत्रीय व्यापार संगठन और मुक्त व्यापार क्षेत्र है जिसमें चार यूरोपीय देश शामिल हैं- आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड। यूरोप से बातचीत जारी है, जिसे जल्द से जल्द अंजाम तक पहुंचाया जाना चाहिए। अर्थ-व्यवस्था के मोर्चे पर आने वाली चुनौतियों से निपटने में ऐसे समझौते सहायक होंगे। इस बीच, अगर भारत की अमेरिका के साथ अच्छी व्यापार डील होती है तो उससे भी विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने की ओर कदम बढ़ेंगे। लेकिन ब्रिटेन से समझौता केवल व्यापार नहीं, भविष्य का निर्माण है। यह कृषि को समृद्धि, उद्योग को विस्तार, युवाओं को अवसर, और भारत को एक विकसित राष्ट्र बनने की ओर सशक्त करता है। निश्चित ही जहां बाजार बनते हैं अवसरों के, वहीं नीति बनती है भविष्य की नींव। भारत और ब्रिटेन के इस करार से विश्व सुनेगा अब भारत की गूंज!

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सभार : प्रभासाक्षी

ओवल में भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट के लिए जेमी ओवरटन इंग्लिश टीम में शामिल

एजेंसी

लंदन। ऑलराउंडर जेमी ओवरटन को भारत के खिलाफ गुरुवार से ओवल में शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम टेस्ट के लिए 15 सदस्यीय इंग्लैंड टीम में वापस बुलाया गया है। उन्होंने 2022 में अपने करियर का एकमात्र टेस्ट मैच खेला था। 31 वर्षीय सरे ऑलराउंडर ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पिछले संस्करण में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए तीन मैच खेले। उन्होंने 2022 में लीड्स में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ दो विकेट लिए थे और 97 रन बनाए थे। ओवरटन को छोड़कर पिछले मैच में चुने गए 14 खिलाड़ियों को टीम में बरकरार रखा गया है।

भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम

बेन स्टोक्स (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रुक, ब्रायडन कार्स, जैक क्रॉली, लियाम डॉसन, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, ओली पोप, जो रूट, जेमी स्मिथ, जोश टंग, क्रिस वोक्स।

88 साल पुराना ये रिकॉर्ड अब शुभमन गिल के निशाने पर, एक टेस्ट बाकी और सिर्फ इतने रन दूर

नई दिल्ली। भारतीय टेस्ट टीम के युवा और होनहार कप्तान शुभमन गिल इंग्लैंड दौरे पर जबरदस्त फॉर्म में हैं। वह न सिर्फ शतक पर शतक जड़ रहे हैं बल्कि अब एक ऐसे रिकॉर्ड की ओर बढ़ रहे हैं जिसे क्रिकेट इतिहास के सबसे महान बल्लेबाज डॉन ब्रैडमैन ने 88 साल पहले बनाया था। गिल के पास मौका है कि वह एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले कप्तानों की लिस्ट में नंबर वन बन जाएं। मैनचेस्टर टेस्ट में शानदार 103 रनों की पारी खेलने के बाद शुभमन गिल के नाम इस टेस्ट सीरीज में अब तक 722 रन हो चुके हैं। यह आंकड़ा उन्हें महान वेस्टइंडीज ऑलराउंडर सर गैरी सोबर्स के साथ पांचवें स्थान पर ला खड़ा करता है। अब गिल के सामने सिर्फ एक ही चुनौती है - डॉन ब्रैडमैन का ऐतिहासिक रिकॉर्ड। ब्रैडमैन ने 1936/37 की एशेज सीरीज में 810 रन बनाए थे। इस रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए गिल को 89 रनों की दरकार है। भारत और इंग्लैंड के बीच आखिरी और निर्णायक टेस्ट 31 जुलाई से केनिंग्टन ओवल में खेला जाएगा। शुभमन गिल इस मुकाबले में जब बल्लेबाजी के लिए उतरेंगे तो उनकी नजरें सिर्फ एक ही लक्ष्य पर होंगी - डॉन ब्रैडमैन से आगे निकलना। मौजूदा फॉर्म को देखते हुए क्रिकेट प्रेमियों को पूरी उम्मीद है कि गिल यह मुकाम हासिल कर सकते हैं।

पूर्व तेज गेंदबाज ब्रॉड बोले- आर्चर को पांचवें टेस्ट के लिए आराम देकर इस खिलाड़ी को उतारें

लंदन । इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड का मानना है कि भारत के खिलाफ निर्णायक पांचवें टेस्ट में इंग्लैंड को तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को आराम देना चाहिए जिन्होंने चार साल बाद टेस्ट टीम में वापसी की है। आर्चर ने लॉर्ड्स टेस्ट में वापसी करते हुए तीसरी गेंद पर ही विकेट लिया और मैच में पांच विकेट चटकाए। उन्होंने मैनचेस्टर में पिछला टेस्ट भी खेला। ब्रॉड ने कहा, 'हम चार साल तक आर्चर को बाहर नहीं रख सकते और फिर वापसी के बाद उससे इतनी ज्यादा गेंदबाजी कराके फिर अगले चार साल तक बाहर नहीं कर सकते। आर्चर ने मैनचेस्टर में चार विकेट लिए जबकि इंग्लैंड के बाकी गेंदबाज लय के लिये जूझते नजर आए। ब्रॉड ने कहा, 'मुझे लगता है कि गुस एटकिंसन को खेलना चाहिए। उस पर इतना कार्यभार नहीं रहा है और उसे मौका मिलना चाहिए। टेस्ट क्रिकेट में अभी तक शीर्ष स्तर की टीमों के खिलाफ उसे आजमाया नहीं गया है। उन्होंने कहा, 'ब्रायडन कार्स ने चौथे टेस्ट में पूरी कोशिश की लेकिन वह थका हुआ लग रहा था। जोश टंग ने पहला टेस्ट खेला और निचले क्रम के बल्लेबाजों के ही विकेट लिए लेकिन वह आर्चर का विकल्प हो सकता है। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि चार साल बाद वापसी करने पर आर्चर को तीन टेस्ट खिलाने चाहिए। अगर एटकिंसन फिट हैं तो उनके घरेलू मैदान पर उन्हें जरूर उतारना चाहिए। इस श्रृंखला के बाद ऑस्ट्रेलिया को नवंबर में एशेज श्रृंखला खेलनी है।

भारत और पाक एशिया कप पर बयान देने पर बुरी तरह फंसे सौरव गांगुली, सोशल मीडिया पर हुई थू-थू

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और 'दादा' के नाम से मशहूर सौरव गांगुली अपने एक हालिया बयान के चलते सोशल मीडिया पर बुरी तरह घिर गए हैं। उन्होंने एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच को लेकर टिप्पणी की थी, जिसके बाद से उन्हें फैंस की भारी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। एशिया कप 2025 का शेड्यूल जारी हो चुका है और इस टूर्नामेंट में भारत-पाकिस्तान का बहुप्रतीक्षित मुकाबला 14 सितंबर को खेला जाएगा। इसी मैच को लेकर जब सौरव गांगुली से पूछा गया, तो उन्होंने, हद्ध से बात करते हुए कहा, मुझे इससे कोई समस्या नहीं है। खेल चलते रहना चाहिए। पहलगाम में जो हुआ, वो नहीं होना चाहिए लेकिन खेल जारी रहना चाहिए। आतंकवाद नहीं होना चाहिए, इसे रोका जाना चाहिए। भारत ने आतंकवाद के खिलाफ कड़ा कदम उठाया है। गांगुली के इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल हो रहा है और कई फैंस इसे संवेदनहीन बता रहे हैं। लोगों का मानना है कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद ऐसे बयान से बचना चाहिए था।

ऑस्ट्रेलिया ने पांचवें टी20 में वेस्टइंडीज को 3 विकेट से हराया, सीरीज 5-0 से जीती

एजेंसी

बासेटेर (सेंट्स किट्स)। ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पांचवां और आखिरी टी20 मैच मंगलवार को जीतकर सीरीज 5-0 से क्लीन स्वीप कर ली। गेंदबाज बेन ड्वार्शुइस (3 विकेट) की शानदार गेंदबाजी और बाद में मिडिल ऑर्डर की दमदार बल्लेबाज़ी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने 3 ओवर बाकी रहते हुए 3 विकेट से जीत हासिल की। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 20 ओवर में 171 रन का लक्ष्य रखा था। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही और टीम ने 25 रन पर 3 विकेट और 60 पर 4 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद कैमरन ग्रीन (32 रन), टिम डेविड (12 गेंद में 30 रन, 4 छक्के, 1 चौका) और मिशेल ओवेन (37 रन) ने पारी को संभाला। जब ग्रीन आउट हुए, तब ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 141-6 था और उसे अभी

30 रन की जरूरत थी। हालांकि, आरोन हार्डी ने 28 रनों की नाबाद पारी खेलते हुए टीम को जीत दिला दी। मैच के बाद ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने कहा, ÷सीरीज शुरू होने से पहले 5-0 की उम्मीद नहीं थी, लेकिन हमने बेहतरीन क्रिकेट खेला। वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने हार की वजह बल्लेबाज़ी को बताया। उन्होंने कहा, ÷हमने कभी भी पूरी तरह सटीक बल्लेबाज़ी प्रदर्शन नहीं किया – या तो अच्छी शुरुआत मिली और अंत खराब रहा, या फिर इसके उलट हुआ। इतने मजबूत विपक्ष के सामने आप इस तरह जीत नहीं सकते।

ड्वार्शुइस की फिरकी में फंसे कैरेबियाई बल्लेबाज

ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर वेस्टइंडीज को पहले बल्लेबाज़ी के लिए बुलाया। बेन ड्वार्शुइस ने चौथे ओवर में ब्रैंडन किंग (11) और कप्तान शाई होप (9) को आउट कर टीम को शुरुआती बढ़त दिला दी। इसके बाद वेस्टइंडीज का स्कोर 64-4 हो गया था। यहां से शिमरोन हेटमायर ने संघर्ष करते हुए 31 गेंदों में 52 रन बनाए जिसमें तीन चौके और तीन छक्के शामिल थे। ऐसा लग रहा था कि हेटमायर टीम को एक चुनौतीपूर्ण स्कोर तक ले जाएंगे, लेकिन ड्वार्शुइस ने धीमी बाउंसर पर उन्हें लंबा शॉट खेलने को मजबूर किया और शॉन एबॉट ने लॉन्ग-ऑफ पर कैच लपक लिया। हेटमायर के आउट होने के बाद वेस्टइंडीज 19.4 ओवर तक 170 पर सिमट गई।

अमेठी के जिलाधिकारी और उनकी बेटी ऋषिका चौहान ने शूटिंग में फिर लहराया परचम

एजेंसी

अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी जनपद के जिलाधिकारी संजय चौहान ने 23 जुलाई से 28 जुलाई तक दिल्ली स्थित डॉक्टर कर्णी सिंह अन्तर्राष्ट्रीय शूटिंग रेंज में आयोजित 28वें प्री यूपी स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में मास्टर्स और सिविल सर्वेंट श्रेणी के ट्रैप शूटिंग इवेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण पदक और एक रजत पदक जीतकर स्टेट ट्रॉफी अपने नाम किया है। जिला प्रशासन की ओर से सोमवार को इस संबंध में जानकारी दी गयी है। बताया गया कि इसी प्रतियोगिता में जिलाधिकारी अमेठी संजय चौहान की पुत्री कुमारी ऋषिका चौहान ने ट्रैप शूटिंग इवेंट में रजत पदक जीतकर जिले और अपने परिवार का नाम रोशन किया। ऋषिका वर्तमान में कानपुर विश्वविद्यालय की छात्रा हैं। उल्लेखनीय है कि यह उपलब्धि पिता-पुत्री की जोड़ी द्वारा लगातार तीसरे वर्ष भी बरकरार रखी गई है। अब दोनों खिलाड़ी आगामी माह में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने की तैयारी कर रहे हैं।

कनाडियन ओपन : पहले राउंड में जीत के साथ बाउचर्ड का संन्यास टला

एजेंस

लॉस एंजेल्स। कनाडियन ओपन के पहले राउंड में घरेलू दर्शकों के सामने खेलते हुए कनाडा की युजिनी बाउचर्ड ने कोलंबिया की एमिलियाना अरांगो को 6-4, 2-6, 6-2 से हराकर अपने संन्यास की योजना को फिलहाल टाल दिया। पूर्व वर्ल्ड नंबर-5 बाउचर्ड ने इस महीने की शुरुआत में घोषणा की थी कि यह टूर्नामेंट उनके करियर का आखिरी होगा। लेकिन इस जीत के बाद उन्होंने अपने फैसले में एक शर्त जोड़ दी। मैच के बाद कोर्ट पर दिए इंटरव्यू में बाउचर्ड ने कहा, अगर मैं यह टूर्नामेंट जीतती हूं, तो रिटायर नहीं होंगी।यह उनका इस साल का दूसरा सिंगल्स मुकाबला था। उन्होंने पहला सेट दमदार फोरहैंड विनर से जीता, लेकिन दूसरे सेट में लगातार अनफोर्स्ड एरर के चलते अरांगो ने वापसी की। निर्णायक सेट में बाउचर्ड ने 3-1 की बढ़त बनाई और फिर एक शानदार वॉली लगाकर 4-1 की लीड हासिल की। 31 वर्षीय वाइल्डकार्ड बाउचर्ड अब दूसरे दौर में 17वीं सीड स्विट्ज़रलैंड की बेलिंडा बेनसिच से

भिड़ेंगी। ब्रिटेन की एमा राडुकानू ने रोमानिया की एलेना गैब्रिएला रुस को 6-2, 6-4 से हराकर दूसरे राउंड में जगह बनाई। मैच के बाद राडुकानू ने कहा, किसी करीबी खिलाड़ी के खिलाफ खेलना हमेशा मुश्किल होता है। खुश हूं कि मैं उस भावनात्मक पहलू को अलग रख सकी। जापान की चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता नाओमी ओसाका ने कनाडा की क्वालिफायर आरियाना आर्सेनेल्ट को 6-4, 6-2 से हराया। अब वह दूसरे दौर में रूस की 13वीं सीड ल्युडमिला समसोनोवा से भिड़ेंगी। टोरंटो में खेले जा रहे पुरुष वर्ग में ऑस्ट्रेलिया के एडम वॉल्टन ने फ्रांस के बेंजामिन बॉन्ज़ी को 4-6, 6-0, 6-3 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई, जहां अब उनका सामना टॉप सीड जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा।

महिला कोपा अमेरिका: पेनल्टी शूटआउट में अर्जेंटीना को हराकर कोलंबिया फाइनल में

एजेंस

क्विटो। कोलंबिया की महिला फुटबॉल टीम ने खेले गए रोमांचक सेमीफाइनल में अर्जेंटीना को पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से हराकर कोपा अमेरिका महिला फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है। इसके साथ ही टीम ने 2028 लॉस एंजेलेस ओलंपिक के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है। निर्धारित समय और एक्स्ट्रा टाइम में मुकाबला 0-0 की बराबरी पर छूटा, जिसके बाद पेनल्टी शूटआउट का सहारा लिया गया। कोलंबियाई गोलकीपर कैथरीन तापिया ने अर्जेंटीना की पॉलिना ग्रामालिया का शॉट रोककर टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। हालांकि, इसके बाद मायरा रामिरेज़ का शॉट क्रॉसबार से टकरा गया और अर्जेंटीना को वापसी का मौका मिल गया। कोलंबिया की वेंडी बोनिला ने छठा पेनल्टी किक गोल में बदलकर दबाव अर्जेंटीना पर डाल दिया। अर्जेंटीना की एलिआना स्टैबिल गोल करने में नाकाम रहीं और उनका शॉट बार से टकरा गया, जिससे अर्जेंटीना टूर्नामेंट से बाहर हो गई। मैच के बाद

गोलकीपर तापिया ने कहा, हम फाइनल में हैं और ओलंपिक के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है, यही हमारा लक्ष्य था। अब हम फाइनल के लिए तैयार हैं। अर्जेंटीना ने शुरुआत में आक्रामक खेल दिखाया। फ्लोरेनसिया बॉनसेगुंडो और यामिला रोड्रिगेज ने कोलंबियाई डिफेंस पर दबाव बनाया, लेकिन तापिया ने बेहतरीन बचाव करते हुए गोल होने से रोक दिया। पहले हाफ में दोनों टीमों के कुछ खिलाड़ियों के चोटिल होने से खेल की लय थोड़ी बाधित हुई। कोलंबिया की ओर से रामिरेज, लेइसी सैंटोस और लिंडा कैईसिडो ने गोल के अवसर बनाए, लेकिन उन्हें भुनाया नहीं जा सका।दूसरे हाफ में कोलंबिया ने दबाव और बढ़ाया और वैलेरिन लोबोआ का एक शॉट लगभग गोल में तब्दील होता दिखा, लेकिन अर्जेंटीना की गोलकीपर सोलाना पेरेरा ने शानदार बचाव कर मैच को बराबरी पर बनाए रखा।

युगांडा ने सीएएफ अफ्रीकी नेशंस चैम्पियनशिप के लिए अंतिम टीम की घोषणा की

एजेंसी

कम्पाला। सह-मेजबान यूगांडा ने आगामी कॉन्फेडरेशन ऑफ अफ्रीकन फुटबॉल (सीएएफ) अफ्रीकी नेशंस चैम्पियनशिप 2024 के लिए अपनी अंतिम 25 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। यह घोषणा टीम के कोच मॉर्ले बायेकवसो और फ्रेड मुहुमुजा द्वारा की गई। यह टूर्नामेंट केवल घरेलू लीग में खेलने वाले खिलाड़ियों के लिए आयोजित किया जाता है और 2 अगस्त से 30 अगस्त तक युगांडा, केन्या और तंजानिया द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा।

सीएएफ ने मूल रूप से 2024 में प्रस्तावित इस प्रतियोगिता को ढांचागत सुविधाओं की तैयारियों के कारण एक साल आगे बढ़ाकर 2025 में आयोजित करने का निर्णय लिया था। घोषित युगांडा टीम में विपर्स एससी के मिडफील्डर एलन ओकेलो को टीम का कप्तान बनाया गया है, जबकि जोएल मुताकुबवा

और रोजर्स ओचाकी टोराच को उप-कप्तान नियुक्त किया गया है। युगांडा की टीम इस प्रतियोगिता में सातवीं बार भाग ले रही है और ग्रुप सी में उसका सामना दक्षिण अफ्रीका, नाइजर, गिनी और अल्जीरिया से होगा। कोच मॉर्ले बायेकवसो ने एक आधिकारिक बयान में कहा, हमने एक बहुत प्रतिस्पर्धी टीम चुनी है और टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह तैयार हैं। पिछले सप्ताह हमने तंजानिया और सेनेगल के खिलाफ मैच खेले, उनसे हमें अपनी कमियों को सुधारने का मौका मिला। गौरतलब है कि युगांडा अब तक अपने छह प्रयासों में कभी भी ग्रुप स्टेज से आगे नहीं बढ़ सका है।

युगांडा का कार्यक्रम इस प्रकार है:

4 अगस्त÷ बनाम अल्जीरिया (मंडेला नेशनल स्टेडियम, कम्पाला)

8 अगस्तः बनाम गिनी

11 अगस्तः बनाम नाइजर

18 अगस्तः बनाम दक्षिण अफ्रीका

घोषित 25 सदस्यीय टीम इस प्रकार है:

गोलकीपरः डेनिस किग्गुंडु, जोएल मुताकुबवा, क्रिस्पस कुसिमा।

डिफेंडरः अर्नोल्ड ओडोंग, निकोलस म्वेरे, गिडियोन ओडोंग, हर्बर्ट अचाई, रोजर्स टोराच, लाजारो मुहिंडो, हिलेरी मुकुंदाने, गैविन किज़िटो।

कुपवाड़ा ने आईडीपीएल बेसबॉल अंडर-19 बालक चैंपियनशिप जीती

एजेंसी

कुपवाड़ा। अंतर जिला प्रांतीय स्तर (आईडीपीएल) बेसबॉल अंडर-19 बालक चैंपियनशिप आज कुपवाड़ा जिले के पुंजवा स्थित हकनियाबाद स्पोर्ट्स स्टेडियम में संपन्न हुई। इस चैंपियनशिप में कुपवाड़ा की टीम ने पुलवामा के खिलाफ फाइनल मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।रोमांचक फाइनल में कुपवाड़ा की टीम ने एक मजबूत लक्ष्य निर्धारित करते हुए 4 होम रन पूरे किए। पुलवामा की टीम को खिताब जीतने के लिए

5 होम रन की आवश्यकता थी लेकिन वह पूरे मैच के दौरान केवल एक होम रन ही पूरा कर पाई। इस प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ कुपवाड़ा की टीम ने प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम कर लिया। युवा सेवा एवं खेल जिला कुपवाड़ा ने कुपवाड़ा की टीम को उनकी शानदार जीत के लिए बधाई दी और पुलवामा की टीम को उनके प्रयासों और खेल भावना के लिए शुभकामनाएं दीं। इसके अलावा विभाग ने बताया कि अंडर-14 बॉयज़ बेसबॉल टीमें आगामी मैचों के लिए आने वाली हैं जो 29 से 30 जुलाई 2025 तक उसी स्थान हकनियाबाद स्पोर्ट्स स्टेडियम पुंजवा में आयोजित किए जाएंगे।

दिव्या देशमुख ने कोनेरू हम्पी को हराकर जीता फिडे महिला शतरंज विश्व कप का खिताब

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की दिव्या देशमुख ने हमवतन कोनेरू हम्पी को टाईब्रेक में हराकर जॉर्जिया के बटुमी में फिडे महिला शतरंज विश्व कप का खिताब जीत लिया। 19 वर्षीय दिव्या ने पहले गेम में संतुलित ड्रॉ खेलने के बाद, मौजूदा महिला विश्व रैपिड चैंपियन हम्पी के खिलाफ दूसरे रैपिड गेम में जीत हासिल की।

दूसरे गेम में काले मोहरों से खेलते हुए दिव्या ने अनुभवी हम्पी की अंतिम गेम की गलतियों का फायदा उठाकर बढ़त हासिल की और अपने युवा करियर की सबसे बड़ी जीत हासिल की। मैच के निर्णायक क्षण में जब मुकाबला भारी मोहरों के साथ ड्रॉ की ओर बढ़ रहा था, हम्पी ने मोहरों की बलि देकर मैच को आगे बढ़ाने की कोशिश की। लेकिन दिव्या के दबाव में उनका यह दांव नाकाम

रहा। दिव्या ने जल्द ही अपनी रानी और एक हाथी की अदला-बदली की, ताकि वह ऐसा एंडगेम बना सके जहाँ वह अपनी मोहरों और समय की बढ़त के दम पर बढ़त हासिल कर सकें और ऐसा ही हुआ।निर्णायक क्षण तब आया, जब हम्पी ने 54वीं चाल में ...R&fy खेला, जिससे दिव्या के लिए एक फाइल खुल गई और उनके प्यादे को प्रमोशन की ओर बढ़ने का रास्ता मिल गया। दिव्या ने 67वीं चाल द्ध5 के साथ लगभग खेल पर अपनी पकड़ खो दी थी, जिससे हम्पी को मुकाबले में वापसी का मौका मिल सकता था। लेकिन समय के दबाव में हम्पी ने 67वीं चाल पर प्यादा बढ़ाने का गलत फैसला किया, जिससे उनका खेल वहीं समाप्त हो गया। 38 वर्षीय हम्पी ने 75वीं चाल के बाद हार स्वीकार कर ली। यह टूर्नामेंट में किसी ग्रैंडमास्टर के खिलाफ दिव्या की लगातार चौथी जीत थी। इससे पहले उन्होंने चीन की झू जिनर को प्री-क्वार्टरफाइनल में, भारत की डी. हरिका को क्वार्टरफाइनल में और चीन की तान झोंगयी को सेमीफाइनल में हराया था। इस जीत के साथ दिव्या ने 50,000 (41.6 लाख रुपये) की पुरस्कार राशि भी अपने नाम की, जबकि हम्पी को 35,000 (29.1 लाख रुपये) मिले।

हॉकी इंडिया सब-जूनियर मेंस नेशनल चैंपियनशिप 2025 का भव्य आगाज

एजेंसी

चेन्नई। चेन्नई में शुरू हुई 15वीं हॉकी इंडिया सब-जूनियर मेंस नेशनल चैंपियनशिप 2025 का पहला दिन रोमांचक मुकाबलों से भरा रहा। प्रतियोगिता के पहले दिन डिवीजन 'सी' और डिवीजन 'बी' में कुल पांच मुकाबले खेले गए, जिनमें जम्मू-कश्मीर, हॉकी एसोसिएशन ऑफ बिहार, हॉकी उत्तराखंड, हॉकी गुजरात और छत्तीसगढ़ हॉकी ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर शानदार शुरुआत की।

पहले मैच में जम्मू-कश्मीर ने राजस्थान को 4-0 से पराजित किया। टीम की ओर से गुरकीरत सिंह (5') ने शुरुआती गोल किया, जिसके बाद वरुणप्रीत सिंह (37'), जसजोत सिंह (49') और दक्ष शर्मा (57') ने भी एक-एक गोल दागे। दूसरे मुकाबले में हॉकी एसोसिएशन ऑफ बिहार ने हॉकी मिजोरम को कड़ी टक्कर में 2-1 से हराया। बिहार के लिए अजय कुशवाहा (15') और अमृतांशु पांडेय (56') ने गोल किए, जबकि मिजोरम की ओर से लालडमपुइया पचुआउ (26') ने एकमात्र गोल किया।

तीसरे मुकाबले में हॉकी उत्तराखंड ने त्रिपुरा को 4-0 से शिकस्त दी। मैच की शुरुआत में ही कृष्णा (3', 7') ने दो गोल किए, जबकि अंकित (4') और कप्तान सार्थक महार (6') ने एक-एक गोल कर टीम की बढ़त

को निर्णायक बना दिया।

डिवीजन 'बी' के मुकाबले:

हॉकी गुजरात ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए हॉकी अरुणाचल को 5-1 से हराया। गुजरात के लिए दिव्येशभाई रुध्यानभाई वाघ (49', 53') ने दो गोल किए, जबकि विजय परमार (40'), कप्तान पीयूष पटेल (50') और संदीप परमार (58') ने एक-एक गोल दागे। अरुणाचल की ओर से शशांक कुमार (56') ने सांत्वना गोल किया।

ओरिएंटल कप 2025 : गर्ल्स फाइनल में संस्कृति स्कूल का सामना गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी से

एजेंसी

नई दिल्ली। ओरिएंटल कप 2025 के छठे दिन रोमांच चरम पर पहुंच गया, जहां लड़कों और लड़कियों दोनों वर्गों के फाइनलिस्ट तय हो गए। गर्ल्स फाइनल में संस्कृति स्कूल का मुकाबला गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, फरीदाबाद से होगा, जबकि बॉयज़ खिताबी भिड़ंत मदर इंटरनेशनल स्कूल (एमआईएस) और डीपीएस आरके पुरम के बीच होगी। दोनों फाइनल मुकाबले कल 29 जुलाई को डॉ. अंबेडकर स्टेडियम में खेले जाएंगे। इस अवसर पर 1980 मास्को ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता और पूर्व भारतीय हॉकी कप्तान ज़फ़र इक़बाल मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। वे युवा खिलाड़ियों को अपने अनुभव और प्रेरणा से लाभान्वित करेंगे। दिन की शुरुआत में गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, फरीदाबाद ने सेंट फ्रांसिस डी सेल्स को 4-0 से हराकर ग्रुप बी में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। टीम के लिए ईशु ने पहला गोल किया, जबकि निधि की शानदार हैट्रिक ने टीम को फाइनल में पहुंचाया। ग्रुप ए में गत चैंपियन संस्कृति स्कूल ने अमेठी इंटरनेशनल स्कूल, नोएडा को 3-0 से हराया। अदिति चमौली ने दो गोल दागे और अमीना अब्दाली ने एक गोल जोड़ते हुए टूर्नामेंट में अपने 10 गोल पूरे किए। कोच केशव चंद्र डुकलान के मार्गदर्शन में संस्कृति स्कूल लगातार तीसरे फाइनल में पहुंचा है।

महिला क्रिकेट: प्रेंडरगास्ट का जलवा बरकरार, आयरलैंड ने ज़िम्बाब्वे के खिलाफ वनडे सीरीज़ में भी किया क्लीन स्वीप

एजेंसी

बेलफास्ट। ऑर्ला प्रेंडरगास्ट (नाबाद 67 रन) की एक और शानदार पारी की बदौलत आयरलैंड ने खेले गए दूसरे वनडे मुकाबले में ज़िम्बाब्वे को चार विकेट से हराकर दो मैचों की वनडे सीरीज़ 2-0 से अपने नाम कर ली। इससे पहले आयरिश टीम ने टी20 सीरीज़ में भी ज़िम्बाब्वे का 3-0 से सूपड़ा साफ किया था।

ज़िम्बाब्वे ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी का फैसला किया, लेकिन एक बार फिर उनकी शीर्ष क्रम की

आयरलैंड के लिए अलाना डैलजेल ने शानदार गेंदबाज़ी करते हुए 10 ओवर में 36 रन देकर 4 विकेट झटके, जबकि लारा मैकब्राइड ने 3 विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करते हुए आयरलैंड की शुरुआत भी कुछ खास नहीं रही।

बल्लेबाज़ी लड़खड़ा गई। 17वें ओवर तक स्कोर 54/4 हो गया। ऐसे में कप्तान चिपो मुगेरी (56) और मोडेस्टर मुपाचिक्वा (45) ने पारी को संभालते हुए पांचवें विकेट के लिए 94 रनों की अहम साझेदारी की। हालांकि एक बार इस जोड़ी के टूटने के बाद ज़िम्बाब्वे की पारी फिर से ढह गई। टीम 148/4 से 178 रन पर ढेर हो गई। आयरलैंड के लिए अलाना डैलजेल ने शानदार गेंदबाज़ी करते हुए 10 ओवर में 36 रन देकर 4 विकेट झटके, जबकि लारा मैकब्राइड ने 3 विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करते हुए आयरलैंड की शुरुआत भी कुछ खास नहीं रही। पावरप्ले के अंदर ही सारा फोर्ब्स और एमी हंटर सस्ते में आउट हो गईं। लेकिन कप्तान गैबी लुईस (44) और प्रेंडरगास्ट ने तीसरे विकेट के लिए 49 रन जोड़ते हुए पारी को संभाला। गैबी लुईस भले ही अपने अर्धशतक से चूक गईं, लेकिन प्रेंडरगास्ट ने संयमित बल्लेबाज़ी करते हुए 72 गेंदों में नाबाद 67 रन बनाए, जिसमें 7 चौके शामिल थे। उन्होंने न सिर्फ अपनी टीम को जीत दिलाई, बल्कि प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज़ दोनों खिताब भी अपने नाम किए।

संक्षिप्त स्कोर:

ज़िम्बाब्वेः 178 ऑलआउट (49.1 ओवर) - चिपो मुगेरी 56, मोडेस्टर मुपाचिक्वा 45; अलाना डैलजेल 4/36, लारा मैकब्राइड 3/22

आयरलैंडः 182/6 (38.5 ओवर) - ऑर्ला प्रेंडरगास्ट 67*, गैबी लुईस 44; लोरेन त्शुमा 4/35

परिणामः आयरलैंड ने यह मैच 4 विकेट से जीता और सीरीज़ 2-0 से अपने नाम की।

देश का औद्योगिक उत्पादन जून में 10 महीने के निचले स्तर 1.5 फीसदी पर

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के औद्योगिक उत्पादन में गिरावट दर्ज हुई है। खनन और बिजली क्षेत्रों के कमजोर प्रदर्शन के कारण औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर जून में सुस्त पड़कर 10 माह के निचले स्तर 1.5 फीसदी पर आ गई है। औद्योगिक उत्पादन इससे पिछले साल जून में 4.9 फीसदी की दर से बढ़ा था। मानसून के जल्दी आने से खनन और बिजली क्षेत्र की गतिविधियां प्रभावित हुई हैं। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने मई महीने के जारी औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर के आंकड़े को भी संशोधित कर 1.9 फीसदी कर दिया है, जबकि इससे पहले इसके 1.2 फीसदी रहने का अनुमान जताया गया था। आंकड़ों के मुताबिक अगस्त, 2024 के बाद औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि सबसे कम है, उस समय इसकी वृद्धि दर स्थिर रही थी। एनएसओ के जारी आंकड़ों के अनुसार विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन की वृद्धि जून में मामूली रूप से बढ़कर 3.9 फीसदी रही, जो पिछले साल इसी अवधि में 3.5 फीसदी थी। खनन क्षेत्र के उत्पादन में 8.7 फीसदी की गिरावट आई है, जबकि एक साल पहले इसमें 10.3 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई थी। इसी तरह बिजली क्षेत्र के उत्पादन में जून में 2.6 फीसदी की गिरावट आई है, जबकि पिछले साल इसी अवधि में इसमें 8.6 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई थी। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) की अवधि के दौरान औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) पर आधारित औद्योगिक उत्पादन में दो फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई, जबकि पिछले साल इसी अवधि में इसमें 5.4 फीसदी की वृद्धि हुई थी।

आयकर विभाग को तकनीकी गड़बड़ी के चलते खारिज ई-रिटर्न की प्रोसेसिंग के लिए समय मिला

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने पिछले कुछ वर्षों में इलेक्ट्रॉनिक रूप से दाखिल आयकर रिफंड के दावों को प्रोसेसिंग में त्रुटि पूर्ण तरीके से अमान्य किये गये मामलों में प्रोसेसिंग प्रक्रिया के लिए समय सीमा में छूट प्रदान की है। यह निर्णय विगत में दाखिल कुछ मामलों में प्रोसेसिंग के दौरान तकनीकी दिक्कतों की शिकायत मिलने के बाद किया गया है। बोर्ड में इस संबंध में परिपत्र संख्या -10/2025 जारी किया है?। सीबीडीटी ने जारी परिपत्र में कहा है कि उसे आयकर के सीपीसी बेंगलुरु को विभिन्न तकनीकी कर्म से कुछ रिटर्न को त्रुटि पूर्ण तरीके से अमान्य किए जाने के संबंध में शिकायतें मिलने की सूचना मिली थी। परिपत्र में कहा गया है कि ऐसे रिटर्न के संबंध में प्रोसेसिंग की समय सीमा नियमानुसार बढ़ा दी गयी है और संबंधित करदाताओं को अब उनके रिटर्न के बारे में सूचना 31 मार्च 2026 तक भेज दी जाएगी। सीबीडीटी ने कहा है कि ऐसे मामलों में ब्याज सहित रिफंड की कार्यवाही की जाएगी लेकिन इसके लिए संबंधित मामलों में पेन और आधार का लिंक होना जरूरी है।

नये डिजिटल क्रेडिट मूल्यांकन मॉडल पर एमएसएमई के 98,995 ऋण आवेदन मंजूर

नई दिल्ली। सरकार ने लोकसभा में बताया कि सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यम (एमएसएमई क्षेत्र) की इकाइयों की सुविधा के लिए लागू नये डिजिटल क्रेडिट मूल्यांकन मॉडल के अंतर्गत चालू वित्त वर्ष में पहली अप्रैल से 15 जुलाई के बीच सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) द्वारा कुल 98,995 ऋण आवेदन मंजूर किए गए हैं। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में सदन को यह जानकारी देते हुए कहा कि नये डिजिटल क्रेडिट मूल्यांकन मॉडल के माध्यम से बैंक ऋण पर निर्णय एक दिन के भीतर लिया जाता है, जिससे मैनुअल तरीकों की तुलना में कार्य निष्पादन समय (टीएटी) में काफी कमी आयी है। इस मॉडल के उपयोग से एमएसएमई इकाइयों को ऑनलाइन मोड में कहीं से भी आवेदन प्रस्तुत करने की आसानी, कागजी कार्रवाई और शाखा में जाने की आवश्यकता कम होने, डिजिटल मोड के माध्यम से तत्काल मंजूरी, ठोस सूचना और कारोबार के आधार पर ऋण संबंधी निर्णय जैसे लाभ हो रहे हैं। मंत्री ने बताया कि नए मॉडल के तहत ऋण संबंधी निर्णय उधारकर्ता के वस्तुनिष्ठ आंकड़ों तथा कारोबार के व्यवहार और आवेदक के कर्ज संबंधी इतिहास पर आधारित होता है। केंद्रीय बजट 2024-25 में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) के लिए नये डिजिटल ऋण मूल्यांकन मॉडल की घोषणा की गई थी।

गेहूं नरम, चावल महँगा, गुड़-चीनी, दालें महँगी, खाद्य तेलों में घटबढ़

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल के दाम बढ़ गये जबकि गेहूं में गिरावट रही। गुड़ और चीनी के भाव भी चढ़े। दालों के दाम बढ़े हैं जबकि खाद्य तेलों में उतार चढ़ाव देखा गया। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अक्टूबर वायदा 34 रिंगिट गिरकर 4,239 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। अमेरिका में सोया तेल वायदा में 0.03 प्रतिशत की तेजी रही और यह 56.01 डॉलर के भाव बोला गया। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल की औसत कीमत 84 रुपये बढ़कर 3,813.84 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुँच गयी। वहीं, गेहूँ 13 रुपये की नरमी के साथ 2,823.83 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटा 18 रुपये सस्ता होकर 3,282.27 रुपये प्रति क्विंटल रह गया। सरसों तेल 66 रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया। मूँगफली तेल औसतन 34 रुपये प्रति क्विंटल महँगा हुआ। सोया तेल 80 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। वनस्पति करीब 30 रुपये प्रति क्विंटल महँगा हुआ। सूरजमुखी तेल में 53 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट दर्ज की गयी। पाम ऑयल के दाम लगभग स्थिर रहे। दाल-दलहनों में तेजी रही। दलहन बाजार में मसूर दाल में औसतन 95 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़त दर्ज की गयी।

राजस्थान को मनरेगा में केंद्र सरकार ने दिए 4384 करोड़ रुपये-शिवराज सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कृषि भवन में मुलाकात की। इस दौरान ग्रामीण विकास और कृषि क्षेत्र के समग्र विकास को लेकर विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। बैठक में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी, केंद्रीय कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी, ग्रामीण विकास विभाग के सचिव शैलेष सिंह, आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. एम.एल. जाट सहित दोनों केंद्रीय मंत्रालयों और राजस्थान के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने बताया कि केंद्रीय ग्रामीण विकास विभाग की ओर से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी (मनरेगा) योजना के तहत 3286 करोड़ रुपये मजदूरी मद में, 944 करोड़ रुपये मटेरियल कॉम्पोनेंट के तथा प्रशासनिक मद में 154 करोड़

रुपये यानी कुल मिलाकर 4384 करोड़ रुपये की राशि राजस्थान को इसी वित्तीय वर्ष में दी गई है। इस पर मुख्यमंत्री भजनलाल ने केंद्रीय मंत्री चौहान को राज्य की ओर से धन्यवाद दिया। बैठक में प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना की प्रगति पर भी चर्चा हुई। इस दौरान शिवराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में इस महत्वपूर्ण योजना के तहत राजस्थान में बहुत अच्छा कार्य हुआ है। वृहद स्तर पर सर्वे किया जा चुका है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने इस पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि आगे बनने वाले आवासों के सर्वे के सत्यापन का कार्य जैसे ही पूरा हो जाएगा, वैसे ही तुरंत अतिरिक्त मकानों के निर्माण की स्वीकृति दे दी जाएगी। राजस्थान में 7.46 लाख मकान बनाए जाना है, जिनमें से पीएम-जनमन योजना के तहत भी निर्माण होना है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन को बारे में भी बैठक में चर्चा हुई। कृषि से जुड़े मुद्दों में 'पर ड्रॉप-मोर क्रॉप', बारिश का पानी संग्रहित करने के लिए तालाब रूपी डिग्गी निर्माण और खेतों में तार की बाड़ लगाने को लेकर योजनाओं के कार्यान्वयन की प्रगति पर चर्चा हुई। वहीं, जयपुर के बस्सी क्षेत्र में कृषि की उल्लेखनीय प्रगति को लेकर भी बातचीत हुई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केंद्र सरकार की मदद से ग्राम पंचायत स्तर पर 'कृषि पर्यवेक्षकों' की व्यवस्था की मंशा भी जताई। विभिन्न विषयों के साथ-साथ अंतरराज्यीय व्यापार को मजबूत करने, राजस्थान की बेहतर मूंगफली किस्मों को आगे बढ़ाने के लिए उन्हें अधिसूचित करने एवं राजस्थान के लोकप्रिय अरंडी के तेल के संवर्धन को लेकर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। मुख्यमंत्री शर्मा ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह को राजस्थान में मानसून की अच्छी प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष राजस्थान में अपेक्षा अनुरूप अच्छी बारिश हुई है, जिसका असर निश्चित तौर पर अच्छी फसल के रूप में देखने को मिलेगा।

औद्योगिक एवं संस्थागत विकास में श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आधारभूत योगदान को किया गया याद

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के औद्योगिक एवं संस्थागत विकास में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आधारभूत योगदान को याद किया। भारी उद्योग मंत्रालय ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के उपलक्ष्य में एक विशेष व्याख्यान सत्र का आयोजन किया। इस अवसर पर केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात राज्य मंत्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात राज्यमंत्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा ने अपने संबोधन में संविधान सभा के सदस्य के रूप में और बाद में केंद्रीय उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में डॉ. मुखर्जी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। वर्मा ने देश के औद्योगिक और संस्थागत विकास में डॉ. मुखर्जी के मूलभूत योगदान को भी रेखांकित किया। उन्होंने अपने संबोधन में उन्हें एक प्रखर विद्वान, राजनेता, निर्भीक सांसद और शिक्षाविद् के रूप में याद किया, जिनका जीवन साहस, दृढ़ विश्वास और एक राष्ट्र, एक संविधान में अटूट विश्वास का एक कालातीत प्रतीक बना हुआ है। इस अवसर पर डॉ. मुखर्जी विरासत और योगदान को श्रद्धांजलि स्वरूप एक लघु फिल्म प्रदर्शित की गयी। यह फिल्म उनके जीवन की दुर्लभ झलकियों और प्रभावशाली वर्णन के जरिए उन्हें एक राष्ट्र निर्माता और दूरदर्शी नेता के रूप में प्रस्तुत करती है, विशेष रूप से भारत के औद्योगिक विकास की नीव रखने में उनकी भूमिका को रेखांकित करती है। इससे पहले उद्घाटन भाषण में भारी उद्योग मंत्रालय के सचिव कामरान रिजवी ने भारत के औद्योगिक विकास के लिए डॉ. मुखर्जी के विजन पर बल दिया, विशेष रूप से राष्ट्रीय प्रगति को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत और आत्मनिर्भर औद्योगिक आधार बनाने पर उनके जोर को रेखांकित किया।

सर्राफा बाजार में सपाट स्तर पर कारोबार, सोना-चांदी के भाव में बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। लगातार पांच दिनों की गिरावट के बाद आज घरेलू सर्राफा बाजार सपाट स्तर पर कारोबार कर रहा है। आज के कारोबार में सोना और चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में बदलाव नहीं होने के कारण आज भी देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 99,920 रुपये से लेकर 1,00,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज सोमवार के भाव 91,590 रुपये से लेकर 91,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच ही बिक रहा है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी बदलाव नहीं होने के कारण कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 1,15,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,00,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 91,740 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई

में 24 कैरेट सोना 99,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 99,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,640 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 99,920 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 91,590 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 99,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,00,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 91,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 91,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,00,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

भारत में पिछले 6 वित्तीय वर्षों में 12,000 लाख करोड़ रुपये के 65,000 करोड़ से अधिक हुए डिजिटल लेनदेन

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में डिजिटल लेन-देन में वित्त वर्ष 2019-20 से 2024-25 तक अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई है। पिछले छह वित्त वर्षों में 65,000 करोड़ से अधिक डिजिटल लेन-देन हुए हैं, जिनकी कुल राशि 12,000 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने देशभर में भुगतान के डिजिटलीकरण की सीमा को मापने के लिए डिजिटल भुगतान सूचकांक (आरबीआई-डीपीआई) विकसित किया है। पंकज चौधरी ने एक सवाल के लिखित जवाब में बताया कि सरकार देश में डिजिटल भुगतान को अपनाने की दर बढ़ाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक, भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई), फिनटेक, बैंकों और राज्य सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ मिलकर काम कर रही है, जिसमें टियर-2 और टियर-3 शहर भी शामिल हैं। वित्त

राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में एक और सवाल के जवाब में कहा कि 1 अप्रैल से 15 जुलाई, 2025 के बीच नए क्रेडिट मूल्यांकन मॉडल के तहत सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) की ओर से कुल 98,995 सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) ऋण आवेदन मंजूर किए गए हैं। उन्होंने बताया कि नए डिजिटल क्रेडिट मूल्यांकन मॉडल के माध्यम से बैंक ऋण पर निर्णय एक दिन के भीतर लिया जाता है, जिससे मैनुअल तरीकों की तुलना में टर्न अराउंड टाइम (टीएटी) में काफी कमी आती है। उन्होंने सदन को बताया कि केंद्रीय बजट 2024-25 में एमएसएमई के लिए नए डिजिटल ऋण मूल्यांकन मॉडल की घोषणा की गई थी। इस मॉडल में यह परिकल्पना की गई थी कि पीएसबी बाहरी मूल्यांकन पर निर्भर रहने के बजाय एमएसएमई को ऋण प्रदान करने के लिए अपनी आंतरिक क्षमता का निर्माण करेंगे। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक अर्थव्यवस्था में एमएसएमई के डिजिटल फुटप्रिंट्स के स्कोरिंग के आधार पर एक नया ऋण मूल्यांकन मॉडल विकसित करेंगे। इसके बाद केंद्रीय वित्त मंत्री ने 6 मार्च, 2025 को एमएसएमई के लिए नए ऋण मूल्यांकन मॉडल का शुभारंभ किया था।

स्टॉक मार्केट में मोनार्क सर्वेयर्स की जोरदार एंट्री, लिस्टिंग के बाद बना बिकवाली का दबाव

एजेंसी

नई दिल्ली। सिविल इंजीनियरिंग कंसल्टेंसी फर्म मोनार्क सर्वेयर्स एंड इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूती के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 250 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 68.50 प्रतिशत प्रीमियम के साथ इसकी लिस्टिंग 421.25 रुपये के स्तर पर हुई। हालांकि लिस्टिंग के तुरंत बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण कंपनी के शेयरों में गिरावट आ गई। सुबह 10.30 बजे तक का कारोबार होने के बाद भी कंपनी के शेयर 407 रुपये के स्तर पर पहुंचे हुए थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों का मुनाफा घटकर 62.80 प्रतिशत के स्तर पर आ गया है। मोनार्क सर्वेयर्स एंड इंजीनियरिंग

कंसल्टेंट्स का 93.75 करोड़ रुपये का आईपीओ 22 से 24 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 250.65 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 179.01 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 317.05 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 263.01 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 37.50 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नई मशीनरी खरीदने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 8.59 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 30.01 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 34.83 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी के राजस्व में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। 2022-23 में कंपनी को 11.68 करोड़ रुपये का राजस्व मिला, जो 2023-24 में बढ़ कर 42.78 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 51.10 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

डॉलर के मुकाबले 13 पैसे की कमजोरी के साथ बंद हुआ रुपया

एजेंसी

नई दिल्ली। स्टॉक मार्केट में विदेशी संस्थागत निवेशकों की जमकर बिकवाली के कारण आज रुपया डॉलर की तुलना में गिरावट के साथ बंद हुआ। मुद्रा बाजार में भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में 13 पैसे फिसल कर 86.66 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय मुद्रा 86.53 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 6 पैसे की मजबूती के साथ 86.47 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। दिन के कारोबार के दौरान कुछ समय के लिए डॉलर की आवक बढ़ने पर रुपया 13 पैसे की मजबूती के साथ 86.40 के स्तर तक पहुंच गया, लेकिन इसके बाद स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों बिकवाली शुरू करके डॉलर की निकासी शुरू कर दी। ऐसा होने पर मुद्रा बाजार में डॉलर की मांग बढ़ गई, जिससे रुपये पर भी दबाव बढ़ गया। डॉलर की मांग तेज होने पर रुपया ऊपरी स्तर से 27 पैसे फिसल कर 14 पैसे की कमजोरी के साथ 86.67 के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि बाद में मुद्रा बाजार में डॉलर की आवक बढ़ने पर रुपये की स्थिति में मामूली सुधार हुआ और भारतीय मुद्रा ने 86.66 के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया। कैपेक्स गोल्ड एंड इंवेस्टमेंट्स के सीईओ राजीव दत्ता का मानना है कि विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारतीय शेयर बाजार से अपने पैसे की निकासी के साथ ही वैश्विक बाजार में जारी उथल पुथल ने आज भारतीय मुद्रा को कमजोर करने में अहम भूमिका निभाई।

ई-श्रम पोर्टल पर 30.95 करोड़ से अधिक असंगठित श्रमिक पंजीकृत

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में ई-श्रम पोर्टल पर 22 जुलाई, 2025 तक 30.95 करोड़ से अधिक असंगठित श्रमिक पंजीकृत हो चुके हैं। इस पोर्टल का उद्देश्य असंगठित श्रमिकों को स्व-घोषणा के आधार पर एक सार्वभौमिक खाता संख्या (यूएएन) प्रदान करके उनका पंजीकरण और सहायता करना है। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंत्रालय ने 26 अगस्त, 2021 को आधार से जुड़े असंगठित श्रमिकों (एनडीयूडब्ल्यू) का एक व्यापक राष्ट्रीय डेटाबेस तैयार करने के लिए ई-श्रम पोर्टल (eshram.gov.in) की शुरुआत की थी। उन्होंने सदन को बताया कि अब तक विभिन्न केन्द्रीय मंत्रालयों/विभागों की चौदह 14 योजनाओं को पहले ही ईश्रम के साथ एकीकृत/मैप किया जा चुका है,

ताकि ईश्रम कार्डधारकों को सामाजिक सुरक्षा, बीमा अथवा कौशल विकास कार्यक्रमों के लाभ और पहुँच प्रदान की जा सके, जिसमें प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएमस्वनिधि), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई), प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई), राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना (एनएफबीएस), महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, (एमजीएनआरईजीएस), प्रधानमंत्री आवास योजना, ग्रामीण (पीएमएवाई-जी), आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई), प्रधानमंत्री आवास योजना, शहरी (पीएमएवाई-यू), प्रधान मंत्री मत्स्य सम्पदा योजना (पीएमएमएसवाई), प्रधानमंत्री किसान मान धन योजना (पीएम-केएमवाई), वन नेशन वन राशन कार्ड (ओएनओआरसी) और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) शामिल हैं। इसके अलावा ई-श्रम को प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन (पीएम-एसवाईएम), राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस), स्किल इंडिया डिजिटल हब (एसआईडीएच), नए युग के शासन के लिए एकीकृत मोबाइल एप्लिकेशन (उमंग), डिजिटल लॉकर (डिजिलॉकर), माईस्कीम और ओपन गवर्नमेंट डेटा प्लेटफॉर्म (ओजीडी) के साथ भी जोड़ा गया है।

भारतीय अर्थव्यवस्था वृद्धि की राह पर अग्रसरः वित्त मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारतीय अर्थव्यवस्था स्थिर रुख के साथ वृद्धि के रास्ते पर आगे बढ़ रही है। हालांकि, मंत्रालय का कहना है कि कर्ज वृद्धि में सुस्ती जरूर चिंता का विषय है। वित्त मंत्रालय ने जून, 2025 के लिए जारी मासिक आर्थिक समीक्षा रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। मंत्रालय ने अपनी मासिक आर्थिक समीक्षा में कहा है कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में घरेलू आपूर्ति और मांग की बुनियाद मजबूत दिखाई दे रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अर्थव्यवस्था स्थिर रुख के साथ वृद्धि के रास्ते पर अपनी गति को बनाये हुए है। रिपोर्ट के मुताबिक मुद्रास्फीति लक्ष्य के दायरे में रहने और मानसून में अच्छी प्रगति के साथ घरेलू अर्थव्यवस्था अपेक्षाकृत

मजबूती के साथ वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में प्रवेश की है। हालांकि, वैश्विक स्तर पर तनाव और नहीं बढ़ा है, लेकिन वैश्विक नरमी, विशेष रूप से अमेरिका में कमजोर आर्थिक वृद्धि दर भारतीय निर्यात की मांग को और कम कर सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी की आर्थिक वृद्धि दर 2025 की पहली तिमाही में 0.5 फीसदी घटी है, जो भारतीय निर्यात की मांग को और कम कर सकती है। मंत्रालय की रिपोर्ट में कहा गया है, अमेरिकी टैरिफ के मोर्चे पर जारी अनिश्चितता आने वाली तिमाहियों में भारत के व्यापार प्रदर्शन पर असर डाल सकती है।

एम एंड बी इंजीनियरिंग का आईपीओ 30 जुलाई को

एजेंसी

अहमदाबाद। एम एंड बी इंजीनियरिंग लिमिटेड का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 30 जुलाई को खुलेगा और इसमें 10 रुपये के अंकित मूल्य वाले शेयर के आवेदन मूल्य का दायरा 366 से 385 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। कंपनी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा है कि उसका आईपीओ बुधवार, 30 जुलाई को खुलेगा और शुक्रवार 01 अगस्त को बंद होगा। एंकर निवेशक मंगलवार को बोली लगा सकेंगे। छोटे निवेशक न्यूनतम 38 या उसकी गुणक संख्या में शेयरों के लिए आवेदन कर सकेंगे। यह

निर्गम प्रस्तावित 650 करोड़ रुपये तक का है, जिसमें 275 करोड़ रुपये मूल्य तक के नये इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे और वर्तमान शेयरधारक शेयर बाजार में 375 करोड़ रुपये मूल्य तक के शेयर बिक्री के प्रस्ताव (ओएफएस) के तहत बेचने वाले हैं। कंपनी ने आईपीओ के पैसे से उपकरण और मशीनरी की खरीद, भवन तथा सौर रूफटॉप ग्रिड के निर्माण और वाहनों की खरीद की योजना बना रखी है। इसके अलावा वह इस पैसे से सूचना प्रौद्योगिकी सॉफ्टवेयर उन्नयन तथा पुराने ऋणों के पूर्व-भुगतान करेगी और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य पूरे करेगी।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत 10.33 करोड़ एलपीजी कनेक्शन दिए गए : सुरेश गोपी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत देशभर में 01 जुलाई, 2025 तक लगभग 10.33 करोड़ एलपीजी गैस कनेक्शन वितरित किए जा चुके हैं। ये योजना मई 2016 में देशभर के गरीब परिवारों की वयस्क महिलाओं को बिना जमा राशि के एलपीजी कनेक्शन प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गयी थी।केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्यमंत्री सुरेश गोपी ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मई 2016 में शुरू की गई प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत 8 करोड़ कनेक्शन जारी करने का लक्ष्य सितंबर, 2019 में हासिल कर लिया गया था। शेष गरीब परिवारों को शामिल करने के लिए अगस्त, 2021 में उज्ज्वला 2.0 शुरू की गई थी, जिसका लक्ष्य 1 करोड़ अतिरिक्त पीएमयूवाई कनेक्शन जारी करना था, जो जनवरी 2022 में हासिल कर लिया गया। सुरेश गोपी ने सदन को बताया कि इसके बाद सरकार ने उज्ज्वला 2.0 के तहत 60 लाख और एलपीजी कनेक्शन जारी करने का निर्णय लिया। यह लक्ष्य

दिसंबर 2022 के दौरान 1.60 करोड़ उज्ज्वला 2.0 कनेक्शन का लक्ष्य भी हासिल कर लिया गया। इसके अलावा सरकार ने पीएमयूवाई योजना के तहत अतिरिक्त 75 लाख कनेक्शन जारी करने को मंजूरी दी थी, जो जुलाई 2024 तक हासिल कर लिया गया है। इस तरह 01 जुलाई, 2025 तक देशभर में 10.33 करोड़ पीएमयूवाई कनेक्शन हैं।पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्यमंत्री ने बताया कि पीएमयूवाई उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी को और अधिक किफायती बनाने और उनके द्वारा एलपीजी के निरंतर उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए, सरकार ने मई 2022 में पीएमयूवाई उपभोक्ताओं को प्रति वर्ष 12 रिफिल तक 14.2 किलोग्राम के सिलेंडर पर 200 रुपये की लक्षित सब्सिडी शुरू की। सरकार ने अक्टूबर 2023 में लक्षित सब्सिडी को बढ़ाकर 14.2 किलोग्राम के सिलेंडर पर 300 रुपये कर दिया। पीएमयूवाई उपभोक्ताओं को 300 रुपये प्रति सिलेंडर की लक्षित सब्सिडी के बाद भारत सरकार दिल्ली में 553 रुपये प्रति सिलेंडर की प्रभावी कीमत पर 14.2 किलोग्राम एलपीजी सिलेंडर प्रदान कर रही है। उन्होंने बताया कि इस योजना के बारे में जागरूकता पैदा करने और एलपीजी के उपयोग से जुड़ी किसी भी समस्या के समाधान के लिए तेल विपणन कंपनियां नियमित रूप से ग्राहकों के लिए एलपीजी पंचायतों का आयोजन करती हैं। सरकार ने पीएमयूवाई लाभार्थियों द्वारा एलपीजी के बेहतर उपभोग को प्रोत्साहित करने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिनमें सब्सिडी राशि से ऋण वसूली स्थगित करना, अग्रिम नकद व्यय को कम करने के लिए 14.2 किलोग्राम से 5 किलोग्राम तक स्वैप विकल्प, 5 किलोग्राम डबल बोतल कनेक्शन का विकल्प, लाभार्थियों को निरंतर आधार पर एलपीजी का उपयोग करने के लिए प्रेरित करने के लिए प्रधानमंत्री एलपीजी पंचायत का आयोजन और जन जागरूकता शिविर आदि शामिल हैं।

ट्रंप के दावों पर स्टार्मर का पलटवार, 'पवन ऊर्जा महंगी नहीं, भविष्य की जरूरत है'

एजेंसी

लंदन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के बीच सोमवार को हुई संयुक्त चर्चा के दौरान पवन ऊर्जा (विंड टर्बाइन्स) को लेकर खुली असहमति देखने को मिली। ट्रंप ने विंड टर्बाइन्स को सबसे महंगी और बदसूरत ऊर्जा करार दिया, जबकि स्टार्मर ने इसका विज्ञान और आर्थिक दृष्टिकोण से बचाव किया। डोनाल्ड ट्रंप ने पवन ऊर्जा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यह सबसे महंगी है और यह खेतों, मैदानों और जलमार्गों की सुंदरता नष्ट कर देती है। ये टर्बाइन्स चीन में बनते हैं और केवल आठ साल में जंग लगने लग जाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि तेल और गैस जमीन के एक छोटे से छेद से हजार गुना ज्यादा ऊर्जा दे सकते हैं। पवन ऊर्जा अस्थिर है, इसे भारी सब्सिडी की ज़रूरत होती है। हमने अमेरिका में इसे प्रतिबंधित किया है क्योंकि यह पक्षियों को भी मार देती है। ट्रंप के बयान पर प्रतिक्रिया स्वरूप ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि पवन ऊर्जा न केवल सस्ती होती जा रही है, बल्कि यह ब्रिटेन की ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरणीय लक्ष्यों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हम निवेश कर रहे हैं पवन ऊर्जा में क्योंकि यह हमारी भावी पीढ़ियों के लिए जरूरी है। यह साफ-सुथरी, टिकाऊ और घरेलू स्रोतों से बनने वाली ऊर्जा है, जो हमें रूस या खाड़ी देशों पर निर्भर नहीं रहने देती।

भूख से जूझते लोगों की संख्या में लगातार तीसरे वर्ष गिरावट, 2024 में वैश्विक स्तर पर सुधार : संयुक्त राष्ट्र

अदीस अबाबा/न्यूयॉर्क। कोविड महामारी के बाद उपजी वैश्विक खाद्य संकट की स्थिति से दुनिया अब धीरे-धीरे उबरती दिख रही है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 में भूख से जूझने वाले लोगों की संख्या लगातार तीसरे वर्ष घटी है। हालांकि अफ्रीका और पश्चिमी एशिया में जलवायु संकट और संघर्ष के चलते कुपोषण की स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। संयुक्त राष्ट्र की पांच एजेंसियों द्वारा संयुक्त रूप से तैयार की गई स्टेट ऑफ फूड सिक्योरिटी एंड न्यूट्रिशन इन द वर्ल्ड रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में लगभग 673 मिलियन (67.3 करोड़) लोग, यानी दुनिया की 8.2 प्रतिशत जनसंख्या, भूख का सामना कर रही थी। यह आंकड़ा 2023 में 8.5त था, जो अब गिरकर 8.2फीसदी हो गया है। संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के मुख्य अर्थशास्त्री मैक्सिमो टोरेरो ने कहा कि भारत और दक्षिण अमेरिका में खाद्य पहुंच में सुधार के चलते वैश्विक स्तर पर भूख में यह गिरावट संभव हुई है। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि अफ्रीका और पश्चिम एशिया जैसे क्षेत्रों में जारी संघर्ष, जलवायु परिवर्तन, और ऋण संकट इन सुधारों को पलट सकते हैं।टोरेरो ने इथियोपिया में यूएन खाद्य सम्मेलन के दौरान कहा कि यदि संघर्ष बढ़ता रहा, असुरक्षा और कर्ज का बोझ बढ़ता रहा, तो भूख से जूझने वालों की संख्या दोबारा बढ़ सकती है।

गाजा में इजराइली हमले जारी, गर्भवती महिला और नवजात समेत 36 फिलिस्तीनियों की मौत

गाजा/तेल अवीव। युद्धग्रस्त गाजा पट्टी में इजराइली हमलों का कहर सोमवार को भी जारी रहा, जिसमें कम से कम 36 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, मृतकों में एक गर्भवती महिला और उसका नवजात शिशु भी शामिल हैं। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब गाजा में भुखमरी और मानवीय संकट लगातार गहराता जा रहा है। इजराइल ने अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ने के बाद कुछ मानवीय राहत उपायों की घोषणा की है। बीते दिन रविवार को इजराइली सैन्य प्रशासन ने घोषणा की कि गाज़ा सिटी, दीर अल-बलाह और मुवासी क्षेत्रों में हर दिन सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक सैन्य कार्रवाई रोकी जाएगी, ताकि राहत सामग्री के वितरण और सुरक्षित मार्गों को सुनिश्चित किया जा सके। हालांकि, हुए हवाई हमले घोषित अस्थायी युद्धविराम की समयसीमा के बाहर हुए, और इजरायली सेना ने इन हमलों पर कोई तत्काल टिप्पणी नहीं की है।

भूटान के गलेफू शहर में लगी आग से मची अफरा-तफरी

गेलेफू (भूटान)। भारत के असम (चिरांग जिला) से सटे पड़ोसी देश भूटान के गेलेफू शहर में भयावह आग लगने की घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गयी। यह घटना भारत-भूटान अंतरराष्ट्रीय सीमा के दादगिरी से भूटान के गेलेफू शहर के प्रवेश द्वार के पास स्थित नव-निर्मित इमिग्रेशन कार्यालय में घटी। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, अनुमान है कि यहां चल रहे निर्माण के दौरान विद्युत शार्ट सर्किट के कारण आग लगने की घटना घटी। आधिकारिक जांच अभी जारी है, इस हादसे में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। बताया जा रहा है कि आग नवनिर्मित गेट के इमिग्रेशन काउंटर पर लगी। भूटानी अग्निशमन और आपातकालीन सेवाएं फिलहाल आग पर काबू पाने के लिए काम कर रही हैं। घटना के बाद, भूटानी अधिकारियों ने सीमा पार आवाजाही को अस्थायी रूप से रोक दिया है।

श्रीलंका के पूर्व नौसेना प्रमुख उलुगेटेने अपहरण और हत्या के केस में जेल भेजे गए

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व नौसेना प्रमुख निशांत उलुगेटेने को आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने 15 साल पुराने अपहरण और हत्या के केस में गिरफ्तार किया है। इस केस के कई अन्य संदिग्धों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। सीआईडी ने निशांत उलुगेटेने को आज पोलगाहवेला मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने उलुगेटेने को न्यायिक हिरासत में केगाले रिमांड जेल भेज दिया। श्रीलंका के समाचार पोर्टल न्यूज फर्स्ट की खबर के अनुसार उनकी गिरफ्तारी 15 साल पहले के पोथुहेरा इलाके के एक व्यक्ति के अपहरण और कथित हत्या से जुड़ी है। उस समय उलुगेटेने नौसेना खुफिया विभाग के

प्रमुख के रूप में कार्यरत थे। जांच अधिकारियों का मानना है कि पीड़ित को कथित तौर पर उलुगेटेने की कमान में संचालित एक अनधिकृत हिरासत केंद्र में रखा गया। हिरासत केंद्र से भेजे गए एक पत्र के सामने आने के बाद मामले को फिर से खोला गया और नए सिरे से जांच की गई। इस घटना के सिलसिले में कई संदिग्धों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

पूर्व डीआईजी झूठी शिकायत दर्ज कराने के आरोप में गिरफ्तार

इसके अलावा सीआईडी ने पूर्व डीआईजी प्रियंता जयकोडी को कथित तौर पर एक झूठी शिकायत दर्ज कराने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

इसमें दावा किया गया था कि अंडरवर्ल्ड सरगना केहलबद्दारा पद्मे ने उन्हें धमकी दी थी। पुलिस ने कहा कि पूर्व वरिष्ठ अधिकारी वर्तमान में स्वास्थ्य कारणों से कोलंबो नॉर्थ टीचिंग अस्पताल में सीआईडी की हिरासत में हैं।

दक्षिण कोरिया: पत्नी से जुड़े मामले की पूछताछ में नहीं पेश हुए पूर्व राष्ट्रपति योल

एजेंसी

सोल । गिरफ्तार दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल मंगलवार को विशेष जांच दल के सामने पेश नहीं हुए। यह पेशी उनकी पत्नी किम क्योन ही से जुड़े विभिन्न आरोपों के जांच के सिलसिले में होनी थी। पूर्व राष्ट्रपति यून और उनकी पत्नी पर चुनावी नामांकनों में हस्तक्षेप करने के आरोप हैं। इस मामले में उन्हें विशेष वकील मिन जुंग-की के ऑफिस में पूछताछ के लिए बुलाया गया था, लेकिन वे निर्धारित समय पर नहीं पहुंचे। यून की ओर से उनकी गैर-हाजिरी को लेकर अभी तक कोई औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। हालांकि, पूर्व राष्ट्रपति इससे पहले मार्शल लॉ डिक्री की जांच कर रही एक अन्य विशेष जांच टीम की पूछताछ से भी कन्नी काट चुके हैं। स्वास्थ्य कारणों का हवाला दे वो पेश नहीं हुए थे। इसके जवाब में, विशेष वकील मिन जुंग-की की टीम ने यून के पक्ष को सूचित किया है कि उन्हें बुधवार सुबह 10 बजे पूछताछ के लिए उपस्थित होना होगा।अगर यून पूछताछ के लिए लगातार इनकार करते हैं, तो टीम उन्हें जबरन लाने पर विचार कर सकती है।पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल पर 2022 के उपचुनाव में पीपल पावर पार्टी (पीपीपी) के एक उम्मीदवार के नामांकन में हस्तक्षेप करने का संदेह है। योल पर आरोप है कि उन्होंने 2022 के उपचुनाव के लिए पूर्व सांसद किम यंग-सुन को पार्टी का टिकट दिलवाने में मदद की थी। इसके बदले उन्होंने कथित तौर पर खुद को पावर ब्रोकर कहने वाले म्यंग ताए-क्युन से फ्री ओपिनियन पोल प्राप्त किया था; यह सब उस साल के राष्ट्रपति चुनाव से पहले हुआ।

पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट ने इमरान खान को 2023 के आठ मामलों में नहीं दी जमानत

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को 09 मई, 2023 के आठ मामलों में जमानत देने से इनकार कर दिया। न्यायालय ने उनके वकील के अनुरोध पर नोटिस भी नहीं जारी किए और इन मामलों की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई 12 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी।

डान अखबार की खबर के अनुसार नवंबर, 2024 में लाहौर की एक आतंकवाद-रोधी अदालत ने 09 मई, 2023 के दंगों से संबंधित मामलों में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान को जमानत देने से इनकार कर दिया था। इस केस में लाहौर कोर कमांडर के घर पर हमला भी शामिल था। जेल में बंद पीटीआई नेता ने इसे लाहौर उच्च न्यायालय में चुनौती दी। उच्च न्यायाल ने 24 जून को उनकी याचिका खारिज कर दी। इमरान ने पिछले सप्ताह लाहौर उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश याह्या अफरीदी की अध्यक्षता वाली दो सदस्यीय पीठ ने

आज इन याचिकाओं पर विचार किया। पीटीआई महासचिव सलमान अकरम राजा अपने नेता इमरान की ओर से अदालत में पेश हुए, क्योंकि उनके मुख्य वकील सलमान सफदर देश से बाहर होने के कारण सुनवाई में शामिल नहीं हो सके। राजा ने पीठ को सूचित किया कि सफदर ने सुनवाई अगले सप्ताह तक स्थगित करने का अनुरोध किया है। उन्होंने अनुरोध किया कि मामले से संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किए जाएं और सुनवाई अगले हफ्ते के लिए निर्धारित की जाए। पीठ ने अनुरोध को अस्वीकार करते हुए सुनवाई 12 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी।

अमेरिका में बंदूकधारी ने पुलिस अधिकारी समेत चार की जान ली, खुद को भी उड़ा लिया

एजेंसी

न्यूयॉर्क। अमेरिका में न्यूयॉर्क शहर के मिडटाउन मैनहट्टन के पार्क एवेन्यू में एक गगनचुंबी इमारत में शाम घुसे बंदूकधारी ने एक पुलिस अधिकारी समेत चार लोगों के जिस्मों को छलनी कर दिया। आखिर में पुलिस की गोली से घायल संदिग्ध बंदूकधारी ने खुद को गोलीमार कर आत्महत्या कर ली।

न्यूयॉर्क पोस्ट की खबर के अनुसार, पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एआर-15 राइफल लेकर घुसे व्यक्ति ने गगनचुंबी इमारत में घुसकर गोलियों की बौछार कर दी। इस गोलीबारी में न्यूयॉर्क शहर के एक पुलिस अधिकारी समेत चार लोगों की मौत हो गई। इस दौरान पुलिस की गोली लगने से घायल संदिग्ध बंदूकधारी ने खुद को गोली मार ली। इस गोलीबारी में मारे गए पुलिस अधिकारी की पहचान 36 वर्षीय दीदारुल इस्लाम के रूप में हुई है। वह ब्रोंक्स पुलिस थाने में तैनात थे। पुलिस अधिकारियों ने संवाददाता

सम्मेलन में बताया कि इस्लाम साढ़े तीन साल से पुलिस विभाग में थे। फिलहाल वह 345 पार्क एवेन्यू स्थित इस गगनचुंबी इमारत में तैनात थे। इस इमारत में ब्लैकस्टोन निवेश फर्म का मुख्यालय है। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर एरिक एडम्स ने कहा कि हमलावर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। न्यूयॉर्क की पुलिस कमिश्नर जेसिका टिश ने बताया कि हमलावर की पहचान 27 वर्षीय शेन तमुरा के रूप में हुई है। वह लास वेगास का रहने वाला है। उसने यह खूनखराबा 33वीं मंजिल पर किया। इसके बाद खुद भी गोलीमार कर जान दे दी। टिश ने कहा कि उसकी गाड़ी सोमवार शाम 4:24 बजे कोलंबिया (न्यू जर्सी) में देखी गई थी।

बलूचिस्तान में 'सेना उठा ले गई' लोगों को, रिहाई की मांग पर क्वेटा में प्रदर्शन

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में इस साल मई के आखिरी हफ्ते से गायब राजनीतिक कार्यकर्ता गनी बलूच के परिवार, रिश्तेदारों और अन्य लोगों ने संघीय सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर अपना गुस्सा जताया। क्वेटा में प्रेस क्लब के सामने हुए इस विरोध प्रदर्शन में सैकड़ों लोग शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि गनी बलूच को तत्काल रिहा किया जाए। परिवार का आरोप है कि गनी को सुरक्षा बल के जवान ले गए थे। इस दौरान आरोप लगाया गया कि सेना लोगों को उठाकर ले जाती है। इसके बाद उन लोगों का कुछ भी पता नहीं चल रहा। द बलूचिस्तान पोस्ट की खबर के अनुसार क्वेटा प्रेस क्लब के सामने रविवार को हुए विरोध प्रदर्शन में परिवार ने कहा कि गनी बलूच को 25 मई को पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने हिरासत में लिया था। तब से उनके बारे में कुछ भी पता नहीं चल रहा। विरोध प्रदर्शन का आयोजन गनी बलूच के परिवार ने किया। इसमें वॉयस फॉर बलूच मिसिंग पर्सन्स (वीबीएमपी), नेशनल डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) के सदस्यों और जबरन गायब अन्य लोगों के रिश्तेदारों ने भाग लिया। गनी बलूच के परिवार ने बताया कि वह निराश हो चुके हैं। उन्होंने 27 मई को खुजदार पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी दर्ज कराने की कोशिश की। एसएचओ ने शिकायत दर्ज करने से इनकार कर दिया। लिखित आवेदन भी स्वीकार नहीं किया। उन्होंने अगले दिन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से संपर्क किया। वहां से भी कोई सहयोग नहीं मिला। इसके बाद बलूचिस्तान उच्च न्यायालय और खुजदार सत्र न्यायालय में याचिका दायर की। तब भी न तो कोई प्राथमिकी दर्ज की गई है और न ही कोई प्रभावी कानूनी कार्रवाई की गई। नेशनल डेमोक्रेटिक पार्टी ने बयान में कहा कि राजनीतिक रूप से जागरूक युवा और पार्टी सदस्य गनी बलूच को जबरन गायब करना यह दर्शाता है कि बलूच लोगों का शांतिपूर्ण राजनीतिक संघर्ष संघीय सरकार को स्वीकार्य नहीं। वॉयस फॉर बलूच मिसिंग पर्सन्स के नेताओं ने भी इस घटना की निंदा की है। प्रदर्शनकारियों ने मांग की है कि गनी बलूच समेत अन्य सभी लापता व्यक्तियों की तत्काल रिहाई की जाए। द बलूचिस्तान पोस्ट के स्थानीय सूत्रों के अनुसार पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने बलूचिस्तान के केच और बरखान जिलों से चार बलूच लोगों को जबरन गायब कर दिया है। लापता लोगों की पहचान मेहरान बलूच, निजाम बलूच, अब्दुल रहमान सैलानी और अदनान पुत्र गफूर के रूप में हुई है। मेहरान और निजाम को पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने केच जिले के सरनाकन इलाके में हिरासत में लिया था। एक अलग घटना में अब्दुल रहमान सैलानी को कथित तौर पर पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने 15 जुलाई को बरखान जिले के रखनी इलाके में हिरासत में लिया था। उनका ठिकाना भी अभी तक पता नहीं चल पाया है। इसके अलावा रविवार रात पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने केच जिले के दश्त के दारचको इलाके से अदनान पुत्र गफूर को हिरासत में लिया। बताया जा रहा है कि उन्हें किसी अज्ञात स्थान पर ले जाया गया है।

पीएम हुन मानेट का दावा, सीजफायर के बाद कंबोडिया-थाईलैंड सीमा पर सुधरे हालात

एजेंसी

नोम पेन्ह । कंबोडियाई प्रधानमंत्री हुन मानेट के अनुसार सोमवार आधी रात से युद्धविराम लागू होने के बाद कंबोडिया-थाईलैंड सीमा पर स्थिति सुधरी है। अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हुन मानेट ने कहा, मलेशिया में एक विशेष बैठक में कंबोडिया और थाईलैंड के बीच हुए समझौते की भावना के अनुरूप, सोमवार आधी रात से युद्धविराम लागू होने के बाद सीमावर्ती क्षेत्र में स्थिति सुधरी है।

उन्होंने कहा, जल्द से जल्द दुश्मनी का खत्म होना प्रभावित लोगों, जैसे कि विस्थापितों, को उनके घर लौटने और सामान्य जीवन दोबारा शुरू करने का मौका देगा। कंबोडियाई सीनेट अध्यक्ष समदेच टेको हुन सेन ने मंगलवार सुबह अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर पोस्ट किया, ÷यह युद्धविराम और शांति समझौता सकारात्मक और प्रभावी परिणाम दे रहा है। समाचार एजेंसी अनुसार, मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने मलेशिया में आयोजित बैठक में बताया कि थाईलैंड और कंबोडियाई नेता सोमवार देर रात से युद्धविराम लागू करने पर सहमत हो गए हैं। मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम की मध्यस्थता में कुआलालंपुर में हुई वार्ता के बाद, कंबोडिया और थाईलैंड ने तत्काल और बिना शर्त युद्धविराम पर सहमति जताई।

संयुक्त प्रेस स्टेटमेंट के अनुसार, यह विशेष बैठक मलेशिया के पुत्राजया शहर में प्रधानमंत्री इब्राहिम की अध्यक्षता, मेजबानी और निगरानी में आयोजित हुई। इस चर्चा में कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट और थाईलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री फुमथम वेचायाचाई ने हिस्सा लिया।

बांग्लादेश से सऊदी अरब जा रहे विमान में आई खराबी, एक घंटे बाद लौटना पड़ा ढाका

एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश से यात्रियों को लेकर सऊदी अरब जा रहे बांग्लादेश के विमान को तकनीकी खराबी की वजह से ढाका वापस लौटना पड़ा। यात्रियों को दूसरे विमान से रवाना किया गया। बांग्लादेश की राष्ट्रीय विमानन कंपनी 'बिमान बांग्लादेश एयरलाइंस' के साथ इस हफ्ते दूसरी बार ऐसा हुआ है। 'बिमान' एशिया और यूरोप के लगभग 16 देशों में उड़ानों का संचालित करती है। ढाका ट्रिब्यून की खबर के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि बिमान बांग्लादेश एयरलाइंस के बोइंग बोइंग 777-ईआर ने दम्मम (सऊदी अरब) के लिए शाम होने से कुछ पहले 3:33 बजे उड़ान भरी। यह उड़ान एक घंटे हवा में रहने के बाद शाम 4:33 बजे ढाका लौट आई। बाद में यात्रियों को

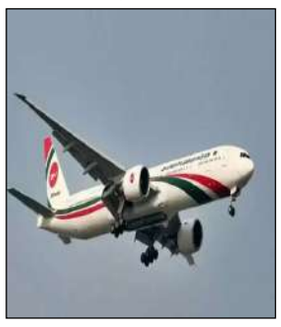

एक अन्य विमान से दम्मम भेजा गया। बिमान कंपनी के सूत्रों के अनुसार, हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लौटी उड़ान की क्षमता लगभग 450 यात्रियों की है। यह लगभग भरी हुई थी। उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद पायलट को एक तकनीकी खराबी का पता चला। उसने यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वापस लौटने का फैसला किया।बिमान कंपनी के जनसंपर्क विभाग के कार्यवाहक प्रबंधक अल मसूद खान ने बताया कि पायलट को केबिन प्रेशर से संबंधित एक चेतावनी संकेत मिला था। एहतियात के तौर पर बिना कोई जोखिम उठाए विमान को वापस ढाका लाया गया। यात्रियों को बाद में एक अन्य विमान से दम्मम भेजा गया। कंपनी की इंजीनियरिंग टीम ने निरीक्षण के बाद उसे परिचालन की मंजूरी दी है। अब इसे बाद में एक और उड़ान के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। इससे पहले 24 जुलाई की सुबह सवा सात बजे दुबई से यात्रियों को लेकर आ रहे इसी कंपनी के एक विमान में चटगांव के शाह अमानत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से ढाका के लिए उड़ान भरने के बाद तकनीकी खराबी आ गई थी। इस वजह से उसे चटगांव वापस लौटना पड़ा था। सनद रहे कि 11 जुलाई को बम की धमकी मिलने की वजह से काठमांडू जाने वाले इस कंपनी के विमान को निर्धारित समय से लगभग साढ़े चार घंटे बाद रात नौ बजे हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से रवाना किया गया था।

चीन में भारी बारिश और बाढ़ से तबाही, 30 लोगों की मौत

एजेंसी

बीजिंग। चीन की राजधानी बीजिंग में भारी बारिश और बाढ़ से 30 लोगों की जान चली गई।जबकि 80 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। बीजिंग मौसम विज्ञान सेवा का अनुमान है कि मंगलवार तक मूसलाधार बारिश जारी रहेगी। जिससे हालात और बिगड़ने का अंदेशा है। ग्लोबल टाइम्स के मुताबिक बीजिंग में हो रही अत्यधिक बारिश से भारी नुकसान हुआ है। आपदा के कारण शहर भर में कुल 30 लोगों की मौत हो गई है, जिनमें मियुन जिले 28 और यानकिंग जिले में 2 लोगों की मौत हुई है। इसके साथ ही बीजिंग में बाढ़ में फंसे कुल 80,332 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया गया है। तीन जिले मियून, हुआइरो और फांगशान में सबसे बड़ी संख्या में लोगों को स्थांतरित किया गया है।मियून और

हुआइरौ जिलों में भीषण बाढ़ से हुई भारी जनहानि और संपत्ति की क्षति को देखते हुए राष्ट्रीय विकास और सुधार आयोग ने आपातकालीन पुनर्वास प्रयासों में बीजिंग की सहायता के लिए केंद्र सरकार के बजट से 200 मिलियन युआन (27.9 मिलियन डॉलर) की तत्काल राशि आवंटित की है।

'गणभवन' की संरचना में बदलाव को लेकर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार पर अवामी लीग का हमला

एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश की अवामी लीग ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के आधिकारिक निवास 'गणभवन' में संरचनात्मक बदलाव करने के फैसले को लेकर मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार की कड़ी आलोचना की है। पार्टी ने इस फैसले को 'गैर-जिम्मेदाराना और अपमानजनक' करार दिया है। पार्टी ने इस कदम को देश की लोकतांत्रिक विरासत पर हमला बताते हुए अंतरिम प्रशासन पर अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर काम करने का आरोप लगाया। पार्टी ने इस कदम को 'गैर-जिम्मेदाराना और अपमानजनक' बताते हुए गणभवन परिसर के अंदर 'तथाकथित सामूहिक कब्रिस्तान' बनाने के 'अवैध, फासीवादी कब्जाधारी यूनुस और उनके गुट के राजनीति से प्रेरित प्रयास' पर गंभीर चिंता जताई।अवामी लीग ने बयान जारी करते हुए कहा, ऐसा प्रतीत होता है कि यह अवैध कब्जा करने वाला समूह यह समझने में नाकाम रहा है कि गणभवन शेख हसीना का निजी आवास नहीं है। यह बांग्लादेश के शासनाध्यक्ष का आधिकारिक आवास है। इसे राष्ट्रीय संसद परिसर की वास्तुशिल्प योजना के अनुरूप डिजाइन किया गया है। प्रतिष्ठित अमेरिकी वास्तुकार लुई आई काहन ने संसद भवन और उसके आसपास की संरचनाओं का डिजाइन तैयार किया था।

जनसंख्या गिरावट को देखते हुए चीन ने की चाइल्ड केयर सब्सिडी की घोषणा, प्रति बच्चा हर साल 500 डॉलर

एजेंसी

बीजिंग। पिछले तीन साल से जनसंख्या में गिरावट का सामना कर रहे चीन ने दंपतियों को प्रोत्साहित करने के लिए राष्ट्रव्यापी शिशु देखभाल नकद सब्सिडी नीति की घोषणा की है। सरकार का कहना है कि यह बच्चों के पालन-पोषण करने वाले परिवारों पर वित्तीय दबाव कम कर देश की जन्मदर को बढ़ावा देने के उद्देश्य लाई गई है। ग्लोबल टाइम्स के मुताबिक चीन की सरकार तीन वर्ष से कम आयु के प्रत्येक बच्चे के माता-पिता को प्रति वर्ष 3,600 युआन (502 डॉलर) का नकद भुगतान करेगी। यह सब्सिडी बच्चे के तीन साल का होने तक दी जाएगी। 1 जनवरी, 2025 से पहले जन्मे और अभी भी तीन साल से कम उम्र के बच्चों के लिए यह सब्सिडी पात्र महीनों की संख्या के आधार पर आनुपातिक रूप से दी जाएगी। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) ने

बयान जारी कर कहा है कि राष्ट्रव्यापी बाल देखभाल सब्सिडी प्रणाली लागू करना एक नई नीति है जो लाखों परिवारों को प्रभावित करती है। इस नीति से हर साल शिशुओं और छोटे बच्चों वाले 2 करोड़ से ज़्यादा परिवारों को लाभ मिलने की उम्मीद है। एनएचसी के अनुसार, सभी स्थानीय निकाय बाल देखभाल सब्सिडी प्रणाली के लिए विस्तृत कार्यान्वयन योजनाएँ बनाने में लगे हुए हैं और इसके क्रियान्वयन की तैयारी कर रहे हैं। अगले माह अगस्त के अंत में देशभर में बाल देखभाल सब्सिडी के लिए आवेदन शुरू होने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि पिछले तीन साल से देश की जनसंख्या में लगातार गिरावट आ रही है और संयुक्त राष्ट्र जनसांख्यिकी मॉडल का अनुमान है कि इस गिरावट के जारी रहने पर यह आज की 1.4 बिलियन से घटकर 2100 तक 800 मिलियन हो जाएगी। पिछले वर्ष चीन में 9.54 मिलियन बच्चे पैदा हुए, जो 2016 की तुलना में आधी संख्या है। खास बात यह है कि साल 2016 में चीन ने तीन दशकों से लागू अपनी एक-बच्चा नीति खत्म की थी

। हाल के वर्षों में पाया गया है कि चीन में विवाह दरों में भी भारी गिरावट आई है और ज्यादातर युवा दंपति बच्चों के पालन-पोषण पर होने वाले भारी-भरकम खर्च और करिअर संबंधी चिंताओं के चलते बच्चे पैदा करने से कतराते हैं।

कैसे करें दूध उत्पादन व्यवसाय

सी एम शर्मा

दूध उत्पादन व्यवसाय या डेयरी फार्मिंग छोटे व बड़े स्तर दोनों पर सबसे ज्यादा विस्तार में फैला हुआ व्यवसाय है। दूध उत्पादन व्यवसाय व्यावसायिक या छोटे स्तर पर दूध उत्पादन किसानों की कुल दूध उत्पादन में मदद करता है और उसकी आर्थिक वृद्धि को बढ़ाता है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि, भारत में कई वर्षों से डेयरी व्यवसाय या दूध उत्पादन ने आर्थिक वृद्धि में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कुल दूध उत्पादन ने हमारे देश की अर्थव्यवस्था में बड़े स्तर पर भागीदारी की है और बहुत से गरीब किसानों को अपना व्यवसाय स्थापित करने में सहयोग किया है। यदि किसी के पास दूध उत्पादन का व्यवसाय स्थापित करने के लिए प्रारंभिक पूंजी है तो इस दूध उत्पादन व्यवसाय को किसी भी क्षेत्र में आसानी से स्थापित किया जा सकता है।

छोटे स्तर पर दूध देने वाले पशुओं को बढ़ावा देने की भारत में सामान्य प्रथा है। कुछ किसान आधुनिक दूध उत्पादन (डेयरी व्यवसाय) तरीकों को नहीं जानते हैं। डेयरी व्यवसाय तकनीकी ज्ञान के अभाव के कारण कभी-कभी वे लाभ प्राप्त करने के स्थान पर निवेश की लागत को भी खो देते हैं। अधिकतम दूध उत्पादन और डेयरी व्यवसाय से लाभ को सुनिश्चित करने के साथ ही सभी चीजों का योजना के अनुसार प्रबंध करने के लिए उचित व्यवसाय योजना के साथ प्रभावी रणनीति बनाना बहुत आवश्यक है।

डेयरी व्यवसाय या दूध उत्पादन व्यवसाय क्या है?

दूध उत्पादन भारत में सबसे सामान्य व्यवसाय है, जिसमें दूध का उत्पादन अधिकतम करने के लिए किसान दूध के उत्पादन के लिए गाय और भैंसों का प्रबंध करते हैं, चाहे वह उत्पादन छोटे स्तर पर हो या बड़े स्तर पर। इस कारोबार में पशुओं के स्वास्थ्य की निगरानी सहित उनके लिए आवश्यक दवा, उचित भोजन, दूध देने वाले उपकरणों का समुचित उपयोग, कचरे का प्रबंधन आदि कुछ विशिष्ट जिम्मेदारियां होती है, हालांकि यह अन्य व्यवसायों की तुलना में शुरू करने में आसान है। कुछ दुग्ध उत्पादक स्वयं दूध उत्पादन करके उसे वितरित करते हैं, हालांकि उनमें से कुछ डेरी की प्रक्रिया के लिए कंपनियों को दूध की आपूर्ति करते हैं।

डेरी व्यवसाय शुरू करने के लिए सबसे आसान कारोबार है हालांकि इसके लिए कुछ विशेष ज्ञान की आवश्यकता पड़ती है और इसे बड़े स्तर का व्यवसाय बनाने के लिए कुछ तकनीकों के प्रयोग की आवश्यकता होती है। कुछ शिक्षित लोग इसे पूरी योजना के साथ डेरी विज्ञान, कृषि, इससे संबंधित अन्य क्षेत्रों में डिग्री लेने के द्वारा करते हैं। एक सफल दुग्ध उत्पादक बनने के लिए किसी को भी इस क्षेत्र में अच्छा अनुभव रखने की आवश्यकता है। एक दुग्ध उत्पादक की जिम्मेदारियां डेरी व्यवसाय के आकार और कार्यों के अनुसार अलग-अलग होती हैं। छोटे दुग्ध उत्पादकों को बड़े प्रयासों की आवश्यकता होती है और इनका विकास भी धीरे-धीरे होता है, वहीं बड़े उत्पादकों को अधिक पूंजी की आवश्यकता होती है लेकिन इसकी प्रवृत्ति व्यक्ति और देश की अर्थव्यवस्था में वृद्धि करने की होती है।

चाहे आप इस व्यापार को छोटे स्तर पर करें या बड़े स्तर पर, दोनों को ही चारे का प्रबंधन, खिलाने, दुहने (दूध निकालने), प्रसंस्करण आदि की आवश्यकता होती है। एक दुग्ध उत्पादक को पशुओं के स्वास्थ्य के प्रबंधन और अन्य चिकित्सकीय स्थितियों के लिए पशु चिकित्सकों के साथ ही पोषण विशेषज्ञों के सहयोग की आवश्यकता होती है। उन्हें दूध के उत्पादन को अधिकतम करने के लिए घुमावदार (रोटेरी) और समानांतर दूध निकालने की आधुनिक प्रणालियों का प्रयोग करना चाहिए, जो किसानों को बड़ी संख्या में कम समय में गायों और भैंसों का दूध निकालने में मदद करती है। वहीं दूध निकालने के पुराने तरीके के लिए अधिक पर्यवेक्षण और प्रयासों सहित अधिक मेहनत की जरुरत होती है। यदि सभी चीजों का सही तरीके से प्रबंध किया जाए तो किसान दिन में तीन बार दूध प्राप्त कर सकते हैं।

दुग्ध उत्पादन का विस्तार

दुग्ध उत्पादन बड़े स्तर का व्यवसाय है और यह वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है। भारत की अर्थव्यवस्था में पिछले दो वर्षों में 8-9त्न वृद्धि हुई है। डेरी क्षेत्र भारत के बड़े औद्योगिक क्षेत्रों में से एक है, क्योंकि यह बड़े स्तर पर भारत की अर्थव्यवस्था में भागीदारी करता है। यह कारोबारी क्षेत्र है, जो बहुत से अशिक्षित और शिक्षित बेरोजगार लोगों को लाभदायक रोजगार प्रदान करता है। यह बड़े व्यापारियों की अनुपूरक आय का स्रोत है। यह किसी भी व्यक्ति के द्वारा थोड़ी सी पूंजी को लगाकर और डेरी का थोड़ा सा ज्ञान प्राप्त करके शुरू किया जा सकता है। इसने ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी के उन्मूलन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है क्योंकि वंचितों के परिवार ने सूखे के दौरान 75-85त्न आय दूध उत्पादकों से प्राप्त की थी। इसने देश में बड़े स्तर पर देश में रोजगार को पैदा किया है।

यह क्षेत्र पूरे भारत में अधिक डेरी उद्यमियों का निर्माण कर सकता है, जो नए रोजगारों का सृजन करने के माध्यम से पूरे समाज के कल्याण के लिए कार्य कर सकते हैं। वे शिक्षित बेरोजगार युवाओं, भारत में नौकरी के अभाव में गरीबी से जूझता हुआ सबसे बड़े वर्ग को नई नौकरियों का निर्माण करके भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार लाने के द्वारा बेहतर योगदान देने के योग्य बनाता है। यह गैर-परंपरागत संसाधनों के उपयोग में सुधार लाएगा, जैसे- सौर ऊर्जा, उत्पादों द्वारा कृषि, बारिश का पानी, जैविक खाद आदि। यह नए दुग्ध उत्पादकों का निर्माण करके नई तकीनीकियों की मांग में सुधार कर रहा है। यह गरीबी के स्तर को कम करने, पोषित भूख को पूरा करने, आय और समानता को बढ़ाने में अपना योगदान दे रहा है। दूध के उत्पाद और पशुओं के निर्यात उन्मुखीकरण के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था में वृद्धि हुई है। दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में उन्नत वैज्ञानिक तकनीकों के विकास ने पशुओं में बीमारियों के उभरने, प्रजनन नीति के खतरों को कम किया है। इस प्रकार, भविष्य में जनसंख्या में वृद्धि के साथ दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में वृद्धि होगी।

दूध उत्पादन में सफलता/ लाभदुग्ध उत्पादन सफल कारोबार है। हमें केवल दूध उत्पादन के कारोबार को शुरू करने से पहले योजनाओं, प्रभावी रणनीतियों को बनाने और उसके अनुसार अपने मस्तिष्क को तैयार करने की आवश्यकता है। यह बहुत अधिक महंगा कारोबार नहीं है और किसी के भी द्वारा, जो इसके बारे में अच्छे से जानता हो तो उसके द्वारा इसकी शुरुआत थोड़ी सी पूंजी लगाकर की जा सकती है, हालांकि इसे 100% सफल बनाने के लिए, एक व्यक्ति को भीड़ में दौड़ने और बंद आंखों के साथ अपना कारोबार शुरु करने की आवश्यकता नहीं होती है। एक व्यक्ति जो गंभीरता से इस व्यवसाय को शुरू करना चाहता है, तो उसे व्यापार शुरू करने से पहले अपनी आंखों को खोलने, पक्ष-विपक्ष का विश्लेषण करने, इस कारोबार के बारे में सबकुछ विस्तार से जानने और आवश्यकता के अनुसार पर्याप्त प्रशिक्षण लेने की आवश्यकता होती है। यदि हम सही तरीके की रणनीति के साथ दुग्ध उत्पादन को शुरू करेंगे तो निश्चय ही हम इसमें बड़ी सफलता प्राप्त कर लेंगे।

वर्तमान में बहुत सी प्रौद्योगिकियों और तकनीकी सहयोग की उपलब्धता है, जो हमारे डेरी व्यवसाय को सफल कारोबार बना सकती है। यह आजकल भारत में एक लाभदायक और आकर्षक व्यवसाय है, जो अधिकतर भारतीय किसानों के साथ ही वाणिज्यिक व्यापारियों के रूप में चल रहा है। हमारे पास पूरी तरह से विकसित और प्रभावी ईआरपी सॉफ्टवेयर की किस्में हैं, जो पूरी प्रक्रिया के दौरान उत्पादन के साथ सहयोग कर सकती हैं। हमारे पास अत्याधुनिक उत्पादन संयंत्र के राज्य को स्थापित करने की सभी सुविधाएं हैं। यह बहुत ही समय और भंडारण विशिष्ट व्यवसाय है, जो तत्काल परिणाम नहीं देता है, हालांकि समय के साथ ठोस परिणाम देता है। इस व्यवसाय के लिए बहुत अधिक धैर्य, समय और भरोसे की आवश्यकता होती है।

यदि आप इस व्यवसाय में वृद्धि प्राप्त करना चाहते हैं, तो इसके लिए आपको कारोबार के मानदंड स्थापित करके उसी के अनुसार कार्य करना चाहिए। आप इस कारोबार में दूध की गुणवत्ता को बनाए रखने और दूध उत्पादन व्यवसाय के उत्पादन के द्वारा सफलता को बनाए रख सकते हैं। दूध उत्पादन आर्थिक विकास के लिए अच्छा अवसर है, हालांकि किसी को इस व्यवसाय को शुरू करने के लिए इसकी प्रक्रिया और व्यवसाय की प्रकृति को जानना आवश्यक है। यह वह व्यवसाय है, जो दूध, दही, घी, मट्ठा, मख्खन, आइसक्रीम, दूध उत्पादकों, मवेशियों का गोबर (बिजली, बायो-गैस, उच्च गुणवत्ता वाले जैविक उर्वरक आदि), स्वयं पशुओं आदि के माध्यम से बहुआयामी लाभ प्रदान करते हैं

दूध उत्पादन को शुरू करने के लिए भारत सरकार के द्वारा अनुदान के रूप में बहुत अधिक मदद की जाती है। भारत सरकार ने देश में लोगों को हरित ऊर्जा के उपयोग की ओर प्रोत्साहित करने के लिए दूध उत्पादन के कार्य के लिए 20-25त्न अनुदान (सब्सिडी) देने की घोषणा की है। दूध उत्पादन तब तक लाभदायक व्यवसाय नहीं बन सकता, जब तक कि हम दूध की गुणवत्ता में कमी करने रहेंगे। कुछ दूध उत्पादक पर्याप्त लगन की कमी और लापरवाही के कारण हानि से भी ग्रसित है। प्रकृति की दशाएं भी इस व्यवसाय की सफलता और असफलता के लिए जिम्मेदार हैं, हालांकि बहुत कम स्तर पर।

ऐसे कुछ बिन्दु हैं, जो दूध उत्पादक को असफलता की ओर ले जाते हैं और उन्हें विफलता का सामना करना पड़ता है

* अच्छा बुनियादी ढांचा और पशुओं को चारा खिलाने की लागत की आवश्यकता।
* कुल खर्च और व्यापार में लाभ के बारे में लापरवाही।
* व्यापार और यहां तक कि पशुओं के गोबर सहित सभी उत्पादकों के बारे में अनुचित समझ।
* अनुचित प्रजनन प्रक्रिया और उच्च दुग्ध उत्पादन की आशाएं।
* सरकारी योजनाओं के बारे में किसानों के बीच में जागरूकता की कमी।

निश्चित उद्देश्य और रणनीति तय करें

दूध उत्पादन के व्यापार को शुरू करने से पहले आपको रणनीतियों, उद्देश्यों, योजनाओं को निर्धारित करने की आवश्यकता है। ऐसा करना, आपको सही रास्ते पर अपने व्यापार को चलाने में मदद करने के साथ ही असफलता के ऊपर सफलता के अवसर में वृद्धि करता है। दूध उत्पादन कोई आसान क्षेत्र नहीं है, क्योंकि यह लोगों के लिए खाद्यान्न उत्पादकों के व्यापार से संबंधित होता है। लोगों और खाद्यान उद्योग की ऊंची उम्मीदों के लिए दुग्ध उत्पादक व्यापारी के लिए सबसे पहला और महत्वपूर्ण उद्देश्य कच्चे दूध और दूध उत्पादकों की सुरक्षा और गुणवत्ता होना चाहिए। अनुकूल दशाओं के अंतर्गत अच्छी स्वास्थ्य दशाओं के सहित स्वस्थ पशुओं से स्वास्थ्यवर्धक दूध प्राप्त करने की निश्चितता होनी चाहिए।

वे लोग जो इस व्यवसाय में कार्यरत हैं, वे एक एकीकृत खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता आश्वासन प्रबंध प्रणाली के भी हिस्से होने चाहिए। अच्छी कृषि प्रणाली, स्वास्थ्य और पशुपालन प्रथाओं का पालन करने की आवश्यकता है। पशुओं को रोगों से बचाने के लिए इनकी देखभाल पर सबसे अधिक ध्यान देना चाहिए। व्यवसाय को शुरू करने से पहले उद्देश्यों को निर्धारित करना, प्रबंध के लिए आवश्यक सभी क्षेत्रों को घेरने में व्यापारी की मदद करते हैं।

दूध उत्पादन के व्यापार के लिए ध्यान देने वाले कुछ बिन्दु निम्नलिखित हैं

* बुनियादी ढांचा
* पशु प्रजातियां
* पशुओं का स्वास्थ्य और सुरक्षा
* दूध निकालते समय स्वच्छता
* पशुओं के चारे व पानी की व्यवस्था
* पशु कल्याण और अनुकूलतम वातावरण
* कुशल और ज्ञान रखने वाले कर्मचारी
* पशुओं को बीमारियों से बचाने के लिए प्रभावी नियंत्रक उपाय
* कुल व्यय और लाभ
* उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त करने के लिए प्रभावी नियंत्रक बिन्दु
* व्यापार की योजना के लिए पशुओं के अनुकूल संरचना और स्थान

व्यापार को शुरू करने से पहले, किसी को भी दिन प्रतिदिन की गतिविधियों में मदद प्राप्त करने और पशुओं के लिए अच्छी हवादार रहने की जगह के लिए व्यापार के अनुकूल संरचना की योजना बनानी चाहिए। व्यवसाय की योजना बनाते समय पेशेवर विशेषज्ञों और एकाउंटेंट की सलाह लेना बेहतर है। यह व्यापार में सभी चुनौतियों को पूरा करने के लिए लचीला होना चाहिए।

मुख्य सचिव ने 'संपूर्णता सम्मान' पुरस्कारों की तैयारियों की समीक्षा की

श्रीनगर 26 जुलाई। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आगामी केंद्र शासित प्रदेश स्तरीय 'संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह' की तैयारियों की समीक्षा हेतु योजना विभाग की एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।

यह कार्यक्रम उन जिलों और प्रखंडों को सम्मानित करने के लिए आयोजित किया जा रहा है जिन्होंने राष्ट्रव्यापी संपूर्णता अभियान के तहत संतृप्ति प्राप्त करने में असाधारण प्रदर्शन किया है।

बैठक में योजना विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. आशीष चंद्र वर्मा, महानिदेशक आर्थिक एवं सांख्यिकी, निदेशक, योजना और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। आकांक्षी जिलों के उपायुक्तों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया।

बैठक के दौरान, मुख्य सचिव ने कार्यक्रम के कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं और ब्लॉक स्तर के अधिकारियों को सम्मानित करने के लिए आयोजित किए जा रहे जिला स्तरीय सम्मान समारोहों की तैयारियों का भी जायजा लिया। उन्होंने उपायुक्तों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की, उनकी प्रगति की समीक्षा की और उन्हें इन आयोजनों की उचित व्यवस्था और गरिमापूर्ण संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

अटल डुल्लू ने आकांक्षी जिलों और आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रमों के तहत जिलों और ब्लॉकों के समग्र प्रदर्शन की भी समीक्षा की। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर की रैंकिंग, प्रमुख संकेतक संतृप्ति की स्थिति का आकलन किया और प्रशासनिक तंत्र के उल्लेखनीय प्रयासों की सराहना की। उन्होंने दीर्घकालिक विकास सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रगति और केंद्रित हस्तक्षेप की आवश्यकता पर बल दिया।

तीन महीने के संपूर्णता अभियान (4 जुलाई-30 सितंबर, 2024) के प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए, मुख्य सचिव ने अधिकारियों और क्षेत्रीय टीमों के प्रयासों की सराहना की। नीति आयोग द्वारा शुरू किया गया यह अभियान स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कृषि, बुनियादी ढाँचे और आजीविका जैसे छह महत्वपूर्ण संकेतकों में 100 प्रतिषत संतृप्ति प्राप्त करने पर केंद्रित था।

विस्तृत जानकारी देते हुए, डॉ. आशीष चंद्र वर्मा ने बताया कि जम्मू-कश्मीर के दोनों आकांक्षी ज़िलों, बारामूला और कुपवाड़ा ने सभी छह प्रमुख संकेतकों में संतृप्ति हासिल कर ली है। प्रदर्शन के आधार पर, बारामूला, कुपवाड़ा, बांदीपोरा, कुलगाम और रियासी सहित सभी छह संकेतकों में संतृप्ति हासिल करने वाले आकांक्षी ज़िलों के डीडीसी को स्वर्ण पदक के रूप में मान्यता प्रदान की जाएगी। इसके अलावा, पाँच संकेतकों में संतृप्ति हासिल करने वाले पुलवामा, रामबन और किश्तवाड़ ज़िलों के डीडीसी को रजत पदक और तीन संकेतकों में संतृप्ति हासिल करने वाले राजौरी ज़िले के डीडीसी को ताम्र पदक देने का प्रस्ताव किया गया है।

आकांक्षी ब्लॉकों में, तुलैल, सिंहपोरा, मंज़गाम, केरन और ढाकराकोट ने पूर्ण संतृप्ति हासिल कर ली है। तीन अन्य मारवा, खाड़ी और इचेगोज़ा ने पाँच संकेतकों में संतृप्ति हासिल कर ली है, जबकि ख्वास ने तीन में संतृप्ति हासिल कर ली है।

प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार भी दर्ज किया गया। इचेगोज़ा (पुलवामा) ने अपने समग्र स्कोर में 9.13 अंकों का सुधार किया और मार्च 2025 में रैंक 2 पर पहुँच गया। तुलैल (बांदीपोरा) ने 6.66 अंकों की वृद्धि के साथ 68.90 अंकों के साथ रैंक 8 हासिल की।

इस अभियान ने 44 चिन्हित पिछड़े ब्लॉकों के लगभग 12.64 लाख लोगों (लगभग 10.3 प्रतिषत जनसंख्या) पर सकारात्मक प्रभाव डाला, जिससे कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, जल आपूर्ति, सिंचाई और बिजली के बुनियादी ढाँचे जैसे क्षेत्रों में प्रगति हुई।

इन उपलब्धियों का सम्मान करने के लिए, संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह में जिला विकास आयुक्तों, ब्लॉक-स्तरीय अधिकारियों और अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया जाएगा।

नई दिल्ली में अखिल भारतीय शिक्षा समागम 2025 में जम्मू-कश्मीर की धूम

नई दिल्ली 29 जुलाई। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिवर्तनकारी लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से भारत मंडपम, नई दिल्ली में प्रतिष्ठित अखिल भारतीय शिक्षा समागम 2025 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के संबोधन से हुआ, जिन्होंने भारत में समावेशी और नवाचार-संचालित शिक्षा के प्रति केंद्र की प्रतिबद्धता पर ज़ोर दिया।

केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर की ओर से, शिक्षा, समाज कल्याण, स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। उनके साथ स्कूल शिक्षा सचिव जम्मू-कश्मीर राम निवास शर्मा, स्कूल शिक्षा निदेशक कश्मीर डॉ. जी. एन. इत्तू, एसपीडी समग्र शिक्षा और एचएसएस पहलु कुलगाम, जम्मू-कश्मीर से इंस्पायर मानक पुरस्कार के दो यूटी टॉपर छात्र भी मौजूद थे।

कार्यक्रम के दौरान मीडिया के साथ बातचीत में, कई अभिभावकों ने सभी हितधारकों के बीच, विशेष रूप से जमीनी स्तर की पहल के माध्यम से, एनईपी 2020 के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए केंद्र और जम्मू-कश्मीर सरकारों के सक्रिय प्रयासों की सराहना की।

अपने संबोधन में, सकीना इत्तू ने जम्मू-कश्मीर भर में आयोजित फएनईपी मेला-पैगामफ में व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु उच्च अधिकारियों और संस्थान प्रमुखों के समर्पित प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस पहल ने एनईपी 2020 के संदेश को छात्रों, शिक्षकों और व्यापक समुदायों तक सफलतापूर्वक पहुँचाया है।

जम्मू-कश्मीर के स्कूली शिक्षा सचिव राम निवास शर्मा ने केंद्र शासित प्रदेश में एनईपी 2020 के प्रभावी और समय पर कार्यान्वयन के लिए सरकार के दृढ़ संकल्प को दोहराया। उन्होंने राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप शिक्षा में गुणवत्ता, समावेशिता और नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने पर ज़ोर दिया।

समागम में शामिल हुए कश्मीर स्कूल शिक्षा निदेशक डॉ. जी. एन. इत्तू ने नई दिल्ली से कश्मीर में एनईपी मेला 2025 के आयोजन की बारीकी से निगरानी की। मीडिया से बात करते हुए, डॉ. इत्तू ने कहा, फएनईपी 2020 के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए जम्मू और कश्मीर में 'पैगाम' शीर्षक से एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। अकेले कश्मीर घाटी में, लगभग 400 कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें 42,000 से अधिक छात्रों, 3,000 से अधिक शिक्षकों और संस्थानों के प्रमुखों के साथ-साथ बड़ी संख्या में समुदाय के सदस्यों ने भाग लिया।

जम्मू-कश्मीर में रेलवे का नया युग- पटरियों से लेकर यात्री डिब्बों तक हो रहा तेजी से उन्नयन

भारतीय रेलवे ने जम्मू-कश्मीर में रेल बुनियादी ढांचे को आधुनिक और सुरक्षित बनाने के लिए व्यापक पहल की है। चिनाब और अंजी पुलों सहित उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेलवे लिंक परियोजना के उद्घाटन के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 06 जून 2025 को एक ऐतिहासिक कदम उठाया। इससे कश्मीर घाटी और जम्मू के बीच रेल संपर्क संभव हो सका। कटरा से श्रीनगर के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ी इस मार्ग पर एक प्रमुख परिवहन साधन बन चुकी है।

रेल लाइनों के रखरखाव में भी अभूतपूर्व सुधार आया है। घाटी में टैम्पिंग मशीन और गिट्टी सफाई मशीनों की तैनाती से पटरियों की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। एक टैम्पिंग मशीन ने अब तक लगभग 88 किलोमीटर ट्रैक पर कार्य किया है, जबकि चार गिट्टी सफाई मशीनों ने संयुक्त रूप से लगभग 14 किलोमीटर पटरियों की गहराई से स्क्रीनिंग की है। इसके साथ ही, कठुआ, काजीगुंड, माधोपुर और जींद से भेजे गए 17 गिट्टी रेक द्वारा 19,000 घन मीटर गिट्टी की आपूर्ति की गई है।

रेलवे पटरियों की गुणवत्ता आकलन के लिए ट्रैक रिकॉर्डिंग कार और ऑसिलेशन मॉनिटरिंग सिस्टम का उपयोग भी शुरू किया गया है। इन तकनीकी उपायों से रेलवे के ट्रैक की स्थिरता और सुरक्षा में बड़ा सुधार देखा गया है।

देशभर में रेलवे ट्रैकों का उन्नयन तेज़ी से हो रहा है। वर्ष 2025 तक 78त्न ट्रैक 110 किमी/घंटा या उससे अधिक गति के लिए सक्षम हो चुके हैं, जबकि यह आंकड़ा 2014 में मात्र 39त्न था। रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने यह भी कहा कि एआई तकनीक का उपयोग ट्रैक में दोषों का पता लगाने और कर्मचारियों की कार्य स्थितियों में सुधार के लिए किया जाएगा।

सिर्फ पटरियां ही नहीं, बल्कि यात्री डिब्बों के उन्नयन पर भी जोर दिया गया है। पहले कश्मीर घाटी से रेकों को पीरियोडिक ओवरहॉलिंग के लिए लखनऊ सड़क मार्ग से भेजा जाता था, लेकिन अब उन्हें रेल मार्ग द्वारा सीधे भेजा जा रहा है। एक MEMU और एक ष्श्वरू रेक का उन्नयन कार्य पूरा हो चुका है, जबकि चार और रेकों पर कार्य प्रगति पर है।

रेक अपग्रेडेशन में नई पीयू पेंटिंग, बायो टॉयलेट्स, नई सीटें, मॉड्यूलर चार्जिंग सॉकेट, स्टैंडिंग हैंडल, पीवीसी फर्श, हॉपर विंडोज़, पब्लिक एड्रेस सिस्टम और लाइट्स व पंखों की मरम्मत शामिल है। यह सभी कार्य 31 अगस्त, 2025 तक पूरे कर लिए जाएंगे।

इन पहलों से जम्मू-कश्मीर में रेल यात्रा न केवल अधिक सुरक्षित और आरामदायक होगी, बल्कि यह क्षेत्र की सामाजिक और आर्थिक प्रगति के लिए एक नई जीवनरेखा साबित होगी। भारतीय रेलवे की यह पहल राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक और मजबूत कदम है।

भेड़पालन विभाग, कश्मीर ने पैरा-पशु चिकित्सा पेशेवरों की भूमिका पर संगोष्ठी का आयोजन किया

श्रीनगर 29 जुलाई। भेड़पालन विभाग, कश्मीर ने अखिल जम्मू-कश्मीर भेड़ एवं ऊन श्रमिक संघ के सहयोग से लाल मंडी में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया, जिसमें विभाग में पैरा-पशु चिकित्सा पेशेवरों की महत्वपूर्ण भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि उत्पादन, ग्रामीण विकास, पंचायती राज, सहकारिता एवं चुनाव मंत्री जावीद अहमद डार ने की, जबकि सोनावाड़ी के विधायक हिलाल अकबर लोन और कृषि उत्पादन विभाग के प्रमुख सचिव शैलेंद्र कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

संगोष्ठी के दौरान, संघ के अध्यक्ष ने पैरा-पशु चिकित्सा पेशेवरों के असीम समर्पण, विशेष रूप से कठोर सर्दियों के दौरान ऊँचाई वाले और दुर्गम इलाकों में उनके कार्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में प्रदान की गई सेवाओं के लिए अतिरिक्त पारिश्रमिक की मांग सहित, कार्यबल के सामने आने वाली कई समस्याओं पर भी प्रकाश डाला।

इस अवसर पर बोलते हुए, जाविद डार ने पैरा-वेटरनरी कर्मचारियों की प्रतिबद्धता की सराहना की और उपस्थित लोगों को आश्वासन दिया कि उनकी जायज़ मांगों पर विचार किया जाएगा और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाएगा। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मज़बूत करने में पशुधन की अहम भूमिका है और किसानों की पशुधन संपदा की सुरक्षा में पैरा-वेटरनरी पेशेवरों के महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। सोनावाड़ी के विधायक हिलाल अकबर लोन ने भी पैरा-वेटरनरी स्टाफ के समर्पण की सराहना की और जमीनी स्तर पर प्रभावी सेवा वितरण सुनिश्चित करने में उनकी भूमिका को रेखांकित किया।

सेमिनार के दौरान, मंत्री ने विभाग के क्षेत्रीय कार्यों को सुदृढ़ करने और किसानों को सेवा वितरण में सुधार लाने के लिए कश्मीर संभाग के जिलों में तैनात किए जाने वाले आठ नए पिकअप वाहनों को हरी झंडी दिखाई।

सेमिनार में भेड़ पालन निदेशक कश्मीर डॉ. रफीक अहमद शाह, कृषि निदेशक कश्मीर सरताज अहमद शाह, संयुक्त निदेशक (फार्म) डॉ. अजय सूदन, और विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ पैरा-वेटरनरी स्टाफ और अधिकारियों ने भी भाग लिया।